सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली मासिक पत्रिका

राष्ट्र संवाद

RNI NO. JHAHIN/2000/1039

वर्ष : 25, अंक : 10, अक्टूबर 2025 । ₹10

प्रकाशन के 26 वर्ष

आबार एशो मां

शहरवासियों ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते हुए मां को किया विदा

राष्ट्र संवाद

आपका राष्ट्र आपका संवाद

ADVERTISEMENT DISPLAY RATE

	Magzine	Weekly	Web Portal
1. Back Cover(col)	1,00,000.00	70,000.00	1,25,000.00 (Top)
2. Inside Front Cover	90,000.00	60,000.00	1,00,000.00 (Cen.)
3. Inside Back Cover	90,000.00	60,000.00	80,000.00 (Bott.)
4. Center Spread	70,000.00	50,000.00	Web Portal & Mobile App
5. Full Page	55,000.00	40,000.00	
6. Half Page	30,000.00	25,000.00	

Combo Offer:

Magzine(back cover)+Weekly(back cover)+Web portal(Top)+Mobile App: Only	2,00,000.00/-
Magzine(inside front cover)+Weekly(Center spread)+Web portal(Center)+Mobile App: Only	1,80,000.00/-
Magzine(inside back cover)+Weekly(inside back cover)+Web portal(bottom)+Mobile App: Only	1,50,000.00/-

देवानंद सिंह

बिहार विधानसभा चुनाव में मुस्लिम वोटरों का रुझान क्या होगा, यह अहम सवाल ?

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की बिसात बिछ चुकी है। इस बार चुनावी मुकाबले का सबसे अहम प्रश्न यही है कि मुस्लिम वोटर किस ओर जाएंगे। दरअसल, बिहार की राजनीति में मुस्लिम वोट हमेशा निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। राजद का पुराना एम-वाई (मुस्लिम-यादव) समीकरण हो, कांग्रेस का परंपरागत वोट बैंक हो, या फिर हाल में एआईएमआईएम और जनसुराज की सक्रियता – हर पार्टी के लिए मुस्लिम मतदाताओं की नब्ज समझना अनिवार्य हो चुका है, लेकिन इस बार का चुनाव सामान्य चुनाव नहीं है। यह चुनाव एक बड़े विवाद वक्फ बोर्ड संशोधन कानून की परछाईं में हो रहा है। यही वजह है कि मुस्लिम वोटर इस बार सिर्फ रोज़मर्रा की राजनीति नहीं, बल्कि अपने धार्मिक और सामाजिक अस्तित्व से जुड़े सवालों को लेकर मतदान करेंगे।

केंद्रीय मंत्री और जेडीयू सांसद ललन सिंह ने संसद में साफ कहा था कि वक्फ बोर्ड संशोधन कानून मुस्लिम विरोधी नहीं है। उनके मुताबिक वक्फ ट्रस्ट कोई धार्मिक संस्था नहीं बल्कि एक प्रशासनिक ढांचा है, और इसका उद्देश्य सभी वर्गों में न्याय सुनिश्चित करना है। ललन सिंह का तर्क था कि इस कानून से वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जे हटेंगे और आम मुसलमानों को फायदा होगा। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि 2013 में उसने वक्फ बोर्ड को लेकर ऐसा पाप किया, जिसे अब मोदी सरकार ने सुधार दिया है, लेकिन सवाल यही है कि मुस्लिम समाज इस दलील को कितना स्वीकार करता है? जमीन पर देखने से साफ होता है कि वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ कई मुस्लिम संगठन खड़े हुए। जेडीयू के मुस्लिम नेता भी इस पर पार्टी लाइन के खिलाफ बयान देने लगे। नीतीश कुमार की चुप्पी को मुस्लिम समाज ने खटकते हुए नोट किया। नतीजा यह हुआ कि जेडीयू पर आरएसएस से नजदीकी बढ़ाने का आरोप लगने लगा।

2020 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने मुस्लिम समाज को साधने की कोशिश की थी। 11 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिए गए, लेकिन नतीजा? सभी 11 हार गए। यानी टिकट तो मिले लेकिन मुस्लिम वोट ट्रांसफर नहीं हुआ। मुस्लिम वोटरों ने NDA पर विश्वास जताने से परहेज़ किया और इसका परिणाम यह हुआ कि जेडीयू अपने ही मुस्लिम कार्ड में फेल हो गई। उस समय उर्दू अखबारों के संपादकों ने जेडीयू नेताओं को साफ कहा था कि जब तक बीजेपी के साथ रहेंगे, मुस्लिमों का भरोसा नहीं मिलेगा। यही स्थिति आज 2025 में और भी गहरी हो चुकी है। वजह यह है कि इस बार वक्फ संशोधन कानून, घुसपैठिया विमर्श और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की लगातार बिहार यात्राओं ने मुस्लिम वोटरों की संवेदनशीलता को और अधिक जगा दिया है।

2020 के बाद से मुस्लिम समाज में तीन मुद्दों पर असंतोष गहराया। पहला, सत्ता पक्ष में एक भी मुस्लिम विधायक का न होना। दूसरा, बीजेपी का सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरना, और बिहार में आरएसएस की सक्रियता और सीमांचल में 'घुसपैठिया' विमर्श का फैलना।

ये तीनों वजहें मिलकर मुस्लिमों के लिए राजनीतिक उपेक्षा का प्रतीक बन गईं। यही कारण है कि इस बार मुस्लिम वोटरों की नाराज़गी का लाभ सीधे तौर पर विपक्षी खेमे को मिल सकता है। राजद का एम-वाई समीकरण लालू यादव की राजनीति का आधार रहा है। लेकिन 2010 के बाद यह समीकरण कमजोर हुआ। 2015 में महागठबंधन की सफलता और 2020 में तेजस्वी यादव की लोकप्रियता ने इसे फिर से मजबूत किया, लेकिन 2025 का चुनाव अलग है। इस बार कमान खुद लालू यादव ने संभाली है। उनकी राजनीतिक सक्रियता ने मुस्लिम समाज को एक भरोसा दिया है कि राजद अब भी वही है जो पहले मुस्लिमों का सबसे बड़ा राजनीतिक सहारा रहा है। वक्फ संशोधन कानून और घुसपैठिया विमर्श ने मुस्लिम वोटरों को राजद की ओर और भी धकेला है। राजद के लिए यह दोहरा लाभ है, यादवों का परंपरागत समर्थन और मुस्लिमों की वापसी। यही वजह है कि 2025 में MY समीकरण सबसे अधिक संगठित रूप में दिख रहा है।

एआईएमआईएम ने 2020 में सीमांचल में पांच सीटें जीतकर सबको चौंकाया था। ओवैसी ने मुस्लिमों को यह संदेश दिया कि वे अपनी अलग राजनीतिक ताकत बन सकते हैं, लेकिन समस्या यह है कि एआईएमआईएम को अक्सर बीजेपी की बी-टीम कहा जाता रहा। यही टैग मुस्लिम वोटरों को सोचने पर मजबूर करता है। इस बार एआईएमआईएम ने राजद से गठबंधन की कोशिश की लेकिन राजद ने इनकार कर दिया। अब ओवैसी अकेले मैदान में उतरेंगे या किसी छोटे दल के साथ गठबंधन करेंगे – यह अभी तय नहीं है। लेकिन इतना साफ है कि अकेले लड़ने पर उन्हें सीमांचल में कुछ सीटें मिल सकती हैं, मगर पूरे बिहार में उनकी पकड़ कमजोर रहेगी। मुस्लिम वोटरों का बड़ा हिस्सा इस बार एआईएमआईएम की बजाय राजद के साथ जाना चाहता है।

प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी ने 75 मुस्लिम उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है। यह एक बड़ा राजनीतिक प्रयोग हो सकता है। लेकिन सवाल यही है कि क्या मुस्लिम वोटर प्रशांत किशोर के साथ खड़े होंगे? अभी तक मुस्लिम समाज में जनसुराज को लेकर कोई ठोस लहर नहीं दिखती। पीके का संगठन गांव-गांव काम कर रहा है, लेकिन मुस्लिम वोटर उन्हें एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में कितनी जल्दी स्वीकार करेंगे – यह चुनाव का सबसे बड़ा सवाल है। तेज प्रताप यादव का अलग तेवर भी इस चुनाव में चर्चा में है। लेकिन वास्तविकता यह है कि मुस्लिम वोटर तेजस्वी और लालू यादव की राजनीति से अधिक प्रभावित हैं। तेज प्रताप का व्यक्तिगत करिश्मा मुस्लिम वोटों को आकर्षित करने में सक्षम नहीं दिखता। बीजेपी इस बार भी अपने "सबका साथ, सबका विकास" फॉर्मूले पर चुनाव में उतरेगी। लेकिन सवाल यही है कि क्या मुस्लिम समाज इस नारे पर भरोसा करेगा? 2014, 2019 और 2020 के अनुभव बताते हैं कि मुस्लिम वोटरों ने बीजेपी से दूरी बनाए रखी। वक्फ संशोधन कानून और घुसपैठिया विमर्श ने इस दूरी को और गहरा कर दिया है।

बीजेपी मुस्लिम वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश जरूर करेगी, लेकिन वास्तविकता यही है कि बिहार में उसका आधार हिंदुत्व और विकास की राजनीति पर है, न कि मुस्लिम समर्थन पर। महागठबंधन की रणनीति साफ है – मुस्लिम वोटरों को पूरी तरह अपने पक्ष में करना। राजद, कांग्रेस और वाम दल इस मुद्दे पर एकजुट हैं। वक्फ संशोधन कानून का विरोध कर वे मुस्लिमों को यह संदेश देना चाहते हैं कि एनडीए मुस्लिम विरोधी है और महागठबंधन ही उनका असली राजनीतिक आश्रय है।बिहार की लगभग 35-40 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम वोट निर्णायक भूमिका निभाते हैं। सीमांचल, पटना, गया, अररिया, किशनगंज, सीतामढ़ी, मधुबनी जैसे क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाता 20-40% तक हैं। यही सीटें चुनाव का रुख तय करती हैं। अगर, मुस्लिम वोट एकजुट होकर राजद या महागठबंधन की ओर जाते हैं तो यह एनडीए के लिए बड़ा खतरा होगा। लेकिन अगर एआईएमआईएम या जनसुराज ने इन वोटों को बांट दिया तो बीजेपी-जेडीयू को फायदा मिल सकता है। कुल मिलाकर, बिहार विधानसभा चुनाव 2025 वास्तव में मुस्लिम वोटरों के लिए लिटमस टेस्ट है। वक्फ बोर्ड संशोधन कानून ने उन्हें अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं को नए सिरे से परखने पर मजबूर कर दिया है। राजद को भरोसा है कि एम-वाई समीकरण इस बार पहले से अधिक मजबूत है।

एआईएमआईएम अपनी पहचान बचाने और विस्तार करने में जुटा है। प्रशांत किशोर मुस्लिमों को नया विकल्प देना चाहते हैं। बीजेपी-जेडीयू की कोशिश है कि मुस्लिमों की नाराज़गी को विकास के मुद्दे से संतुलित किया जाए, लेकिन जमीन पर सच्चाई यही है कि मुस्लिम वोटरों का बड़ा झुकाव इस बार राजद की ओर दिख रहा है।

editor@rashtrasamvad.com

6-7 नम आंखों से दी मां को विदाई

8-9 दार्जिलिंग में बारिश-भूस्खलन से तबाही, पुल बहा, 20 की मौत

12-13 कोलकाता में बारिश ने मचायी तबाही

43 भारत ने ढाई दिन में जीता पहला टेस्ट

JHAHIN/2000/1039
Postal Reg. No. G/SBM/31/2009

संरक्षक	:	उर्मीला सिंह
संपादक	:	देवानंद सिंह
प्रबंध संपादक	:	रश्मि सिंह
कार्यकारी संपादक	:	विजय शंकर मिश्रा
समन्वयक संपादक	:	रत्नेश कुमार, अमन कुमार
एसोसिएट संपादक	:	बिशन, एस, संजय राय
संयुक्त संपादक	:	सौरभ कु सिंह, चंद्रेश शर्मा
वरिष्ठ उपसंपादक	:	आशा सिंह
विशेष संवाददाता	:	आनंद कुमार, दिनेश शर्मा, धीरेन्द्र कुमार सिंह
प्रभारी बिहार-झारखंड	:	अमित
बिहार ब्यूरो प्रमुख	:	अक्षय किशोर
महाप्रबंधक	:	धीरज कुमार सिंह
विज्ञापन प्रभारी	:	डॉ. पूर्णेन्दु प्रियदर्शी
बिहार-झारखंड		
झारखंड ब्यूरो	:	ब्रज बिहारी शर्मा
प्रभारी उत्तर प्रदेश	:	अजब यदुवंशी, आनंद श्रीवास्तव
ब्यूरो		
दिल्ली	:	रामनरेश पाल, अजय चौहान
उत्तर प्रदेश	:	अंजान मित्र, रमाशंकर तिवारी
मुंबई/सिलवासा	:	राकेश, मनीष कुमार मिश्रा
अहमदाबाद	:	अशोक शर्मा
कोलकाता	:	गोपाल शरण
उडीसा	:	मनोज प्रधान
पंजाब	:	जयश्री राठौर
चंडीगढ़	:	एम एस आर
ग्वालियर	:	सुनील शर्मा, राजा चौधरी
लखनऊ	:	घनश्याम भारतीय, रवि माथुर
झासी	:	नीरज जैन
मथुरा	:	नरेन्द्र गौतम
गोरखपुर	:	प्रदुवन मिश्रा
उत्तराखंड	:	दुर्गेश तिवारी
बनारस	:	पुनीत शर्मा
राजस्थान	:	जय सिंह राठौड
पटना	:	अरविंद सिंह, मुकेश कु सिंह
मुगरे/बेगूसराय	:	अमित कुमार, सुबोध सिन्हा
सीवान / देवरिया	:	मनोज कुमार शुक्ल
समस्तीपुर	:	मुकेश कु कर्ण, अरविद सिंह
कोल्हान प्रभारी	:	विनोद केसरी
सरायकेला	:	अर्जुन शाही
जमशेदपुर	:	नंदजी सिंह, दीपक शर्मा
छत्तीसगढ़	:	विपुल वर्धन शिंदे
पाकुड़	:	मुकेश कुमार
प्रसार प्रबंधक	:	किशन खन्ना
कानूनी सलाहकार	:	राजेश कु शुक्ल, डॉ. वीरेन्द्र सिंह, आरडी सिंह, कुमारी ममता सिंह, श्वेता कुमारी
छायाकार	:	इंद्रजीत सिंह चावला, अवधेश, भूपेन्द्र कुमार

राष्ट्र संवाद

राष्ट्र संवाद में प्रकाशित सामग्री पर सर्वाधिकार सुरक्षित। लेखकों के मतों एवं कथनों के लिए संपादक व प्रकाशक की अनुमति अनिवार्य नहीं। सभी विवादों का निपटारा जमशेदपुर न्यायिक क्षेत्र में ही किया जायेगा। छायाचित्र एवं अन्य सामविवया भी अन्य पत्र-पत्रिकाओं से साभार।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक देवानंद सिंह द्वारा चंद्र प्रेस, 63 पटपड़गंज इंडिस्ट्रयल एरिया, दिल्ली-92 से मुदित तथा अमन पब्लिकेशन राष्ट्र संवाद, 66 गोलमुरी बाजार, जमशेदपुर-3 झारखंड से प्रकाशित।

फोन: 0657-2341060/2344002
मो.: 09431179542/09334823893

E-mail
rashtrasamvad@gmail.com
editor@rashtrasamvad.com
rashtrssamvad@rediffmail.com

डिजाइन व प्रॉडक्शन
अमन कुमार

NOW RASHTRASAMVAD AVAILABLE ON MOBILE
Attachments area

34-35 लद्दाख में चार की मौत, 80 से अधिक घायल

36-37 'I love Muhammad' विवाद जुमे की नमाज के बाद बवाल

17 बिलासपुर में भूस्खलन में बस सवार 15 की हुई मौत

18-19 अस्त-व्यस्त रही रेल सेवा, दर्जनों ट्रेनें रद्द

31 मुख्यमंत्री नीतीश ने किया पटना मेट्रो परिचालन का उद्घाटन

45 मानुषी छिल्लर ने मुंबई में लांच किया सोमा वेलेनेस

विशेष संपादकीय

ताकि दवा जहर बन फिर से मासूमों की मौत न बने

ललित गर्ग

दो राज्यों राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप से जुड़ी बच्चों की मौत की घटनाएं देश की दवा नियामक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। यह केवल एक चिकित्सा त्रुटि या आकस्मिक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस तंत्र की विफलता का प्रतीक है जिस पर जनता अपने जीवन की रक्षा के लिए भरोसा करती है। दवा जैसी जीवनदायी वस्तु में भी जब लालच, लापरवाही या भ्रष्टाचार घुसपैठ कर जाते हैं तो वह अमृत भी विष बन जाता है। बच्चों की मासूम जानें जब घटिया या मिलावटी दवा के कारण चली जाती हैं, तो यह केवल परिवारों की नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिकता एवं विश्वास की मृत्यु होती है। कफ सिरप में पाए गए विषैले तत्व-जैसे डाइएथिलीन ग्लाइकॉल या एथिलीन ग्लाइकॉल, पहले भी कई देशों में सैकड़ों बच्चों की जान ले चुके हैं। फिर भी बार-बार ऐसे हादसे होना इस बात का प्रमाण है कि भारत की दवा नियामक व्यवस्था में संरचनात्मक खामियां बनी हुई हैं। सवाल है कि पिछली गलतियों से क्या सीखा गया? भारत में बने कफ सिरप पहले भी सवालों में आ चुके हैं। 2022 में गाम्बिया में कई बच्चों की मौत के बाद डब्ल्यूएचओ ने एक भारतीय कंपनी के कफ सिरप को लेकर चेतावनी जारी की थी। इसके बाद भी कई और जगहों से इसी तरह की शिकायत आई।

दवाओं के उत्पादन में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर है। करीब 200 देशों में यहां से दवाएं निर्यात होती हैं और जेनेरिक दवाएं सबसे ज्यादा यहीं बनती हैं। इन उपलब्धियों के बीच इन दो प्रमुख राज्यों में कफ सिरप की वजह से बच्चों की मौत शर्मनाक एवं त्रासदीपूर्ण है। इससे स्पष्ट है कि दवा के क्षेत्र में जिस तरह की निगरानी, मानक और सुरक्षा उपायों की जरूरत है, उसमें कोताही बरती जा रही है। दवा के रूप में जहर धडल्ले से मासूमों की मौत का कारण बन रहा है। इस घटना सामने आने के बाद कार्रवाई का दौर भले ही जारी है। दवाएं वापस ली गई हैं, केस दर्ज हुआ है और नैशनल रेगुलेटर अथॉरिटी ने कई राज्यों में जांच की है। इन घटनाओं से साफ है कि दवा निर्माण की प्रक्रिया में कच्चे माल के स्रोत से लेकर तैयार उत्पाद की गुणवत्ता जांच तक हर स्तर पर लापरवाही व्याप्त है। कई कंपनियां लागत घटाने के लिए औद्योगिक ग्रेड के सॉल्वेंट या रसायनों का प्रयोग कर लेती हैं जो मानव उपभोग के लिए निषिद्ध होते हैं। वहीं निरीक्षण और परीक्षण की सरकारी व्यवस्था न केवल कमज़ोर है बल्कि अक्सर प्रभावशाली कंपनियों के दबाव में निष्क्रिय भी हो जाती है। राज्य और केंद्र स्तर के दवा-नियामक विभागों में पर्याप्त संसाधन और तकनीकी क्षमता का अभाव है, जिससे समय पर निगरानी और सैंपल परीक्षण संभव नहीं हो पाता। जब निरीक्षण औपचारिकता बन जाए और रिपोर्टें खरीद-फरोख्त की वस्तु बन जाएं, तब ऐसी त्रासदियां स्वाभाविक हैं। तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप के नमूने में 48.6 प्रतिशत डाई एथिलीन ग्लाइकॉल मिला है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार इसकी मात्रा 0.10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह एक खतरनाक इंडस्ट्रियल केमिकल है, जिसका इस्तेमाल गाड़ियों और मशीनों में होता है। इसकी वजह से पीड़ित बच्चों की किडनी फेल हो गई।

इन घटनाओं ने न केवल स्वास्थ्य प्रशासन की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाई है बल्कि भारत की वैश्विक छवि पर भी धब्बा लगाया है। पिछले वर्षों में अफ्रीकी देशों में भी भारतीय सिरप से हुई मौतों के बाद कई देशों ने हमारे फार्मा उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया था। अब घरेलू स्तर पर घटित ऐसी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि हमने उन हादसों से कोई सबक नहीं लिया। दुनिया के सबसे बड़े जेनेरिक दवा उत्पादक देश के रूप में भारत को यह मानना होगा कि केवल उत्पादन की मात्रा नहीं, बल्कि गुणवत्ता ही हमारी असली ताकत होनी चाहिए। इस संकट का सबसे पीड़ादायक पहलू यह है कि इसका शिकार वे मासूम बच्चे बने जिनकी प्रतिरोधक क्षमता अभी विकसित नहीं हुई थी और जिनकी जीवन रक्षा का उत्तरदायित्व समाज और राज्य पर है। इन मौतों की नैतिक जिम्मेदारी केवल दोषी कंपनियों पर नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र पर है जिसने नियमन और नैतिकता की आंखें मूंद लीं। दवाओं में मिलावट या गलत प्रमाणपत्र देना कोई साधारण अपराध नहीं बल्कि मानवता के खिलाफ किया गया घोर अपराध है। इस पर कड़े से कड़ा दंड होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी निर्माता या अधिकारी ऐसी हरकत करने से पहले सौ बार सोचे।

भारत के फार्मास्युटिकल मार्केट का आकार लगभग 60 अरब डॉलर है। इसका बड़ा हिस्सा छोटी कंपनियों के पास है। सीडीएससीओ ने इस साल अप्रैल की अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ज्यादातर छोटी और मझोली कंपनियों की दवाएं जांच में तयशुदा मानक से कमतर पाई गईं। इस जांच में 68 प्रतिशत एमएसएमई फेल हो गई थीं। इससे पहले, जब केंद्रीय एजेंसी ने 2023 में जांच की, तब भी 65 प्रतिशत कंपनियों की दवाएं सब-स्टैंडर्ड मिली थीं। प्रश्न है कि यह तथ्य सामने आने के बाद आखिर सरकार क्या सोच कर इन दवाओं को बाजार में विक्रय क्यों जारी रहने दिया? क्यों ऐसे हादसे होने दिये जाते रहे? यह आवश्यक है कि दवा उद्योग में कच्चे माल की ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित की जाए, हर बैच की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो और दवाओं के मानक अंतरराष्ट्रीय स्तर के हों। केंद्र और राज्य सरकारों को ड्रग इंस्पेक्टरों की संख्या और प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी चाहिए। हर कंपनी के लाइसेंस नवीनीकरण के समय उसकी पिछली गुणवत्ता रिपोर्ट और परीक्षण परिणामों की समीक्षा की जानी चाहिए। जिन कंपनियों ने सुरक्षा मानकों का उल्लंघन किया है, उनके लाइसेंस तत्काल रद्द कर दिए जाने चाहिए और शीर्ष प्रबंधन को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं, बल्कि इन मामलों में आपराधिक जिम्मेदारी तय करना भी जरूरी है।

इसके साथ ही चिकित्सा जगत और समाज को भी आत्मचिंतन करना चाहिए। डॉक्टरों को यह समझना होगा कि शिशुओं को ओटीसी- ऑवर दी कॉउन्टर दवाएं देना कितना खतरनाक हो सकता है। सरकार द्वारा जारी परामर्श और चेतावनियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की जरूरत है। मीडिया को भी सनसनी से ऊपर उठकर जनता को जागरूक करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। इन त्रासदियों को केवल समाचार बनाकर भुला देना नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य-सुधार के आंदोलन में बदलना समय की मांग है। क्योंकि सरकारी अनुमान से इस साल देश का दवा निर्यात 30 अरब डॉलर को पार कर जाएगा। वहीं, 2030 तक फार्मा मार्केट के 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। लेकिन, इसके साथ चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। दवाओं की जांच और निगरानी अभी तक की कमजोर कड़ी साबित हुई है। केंद्रीय और राज्य की नियामक एजेंसियों को ज्यादा बेहतर तालमेल के साथ, पारदर्शिता, ईमानदारी और ज्यादा तेजी से काम करने की जरूरत है, क्योंकि यह मामला केवल इकॉनमी या देश की छवि ही नहीं, अनमोल जिंदगियों से जुड़ा है।

अंततः यह घटना हमें याद दिलाती है कि जीवन रक्षा के साधनों में जब नैतिकता का अभाव हो जाता है तो प्रगति की समूची इमारत ध्वस्त हो जाती है। दवा उद्योग में पारदर्शिता, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनशीलता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। सरकार और समाज दोनों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी बच्चे की जान किसी घटिया या मिलावटी दवा के कारण न जाए। जब तक दवा बनाने वाला और दवा बांटने वाला अपनी जिम्मेदारी को धर्म, करुणा, विश्वास और ईमानदारी की दृष्टि से नहीं देखेगा, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराई जाती रहेंगी।

हमारा संकल्प ● खोजी खबर ● निर्भीक पत्रकारिता

तेवर वही सिर्फ अंदाज बदला है

आपका राष्ट्र आपका संवाद

पत्रिका मंगवाने और विज्ञापन के लिए संपर्क करें :

Reg. Office : RASHTRA SAMVAD (AMAN PUBLICATION) 66-Golmuri Market, (Opp. SBI), Golmuri, Jamshedpur - 831003, Jharkhand
Corporate Office : D58, 3rd Floor, Laxmi Nagar, Delhi - 110092

Phone : 0657-2344002, Mob. : 09431179542, 09279132755, 09334823893, **e-mail :** editor@rashtrasamvad.com
rashtrasamvad@gmail.com, **Website :** www.rashtrasamvadgroup.com, www.rashtrasamvad.com

दुर्गोत्सव

नम आंखों से दी मां को विदाई

हाइड्रा और गोताखोरों की मदद से प्रशासन ने कराया सुरक्षित विसर्जन

बारिश के मौसम के बावजूद पूर्वी सिंहभूम जिला में विजयादशमी पर शहरी व ग्रामीण क्षेत्र की 447 दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन गुरुवार को किया गया. सबसे ज्यादा 125 प्रतिमाओं का विसर्जन साकची सुवर्णरेखा घाट पर हुआ. जिला में 420 पूजा समितियां लाइसेंसी और 28 गैर लाइसेंस प्राप्त हैं. काशीडीह स्थित दुर्गा पूजा समिति की प्रतिमा का शुक्रवार को विसर्जन किया गया. गुरुवार को प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान बेहतर तालमेल और प्रशासनिक व्यवस्था देखने को मिली. शहर के सभी प्रमुख विसर्जन घाट पर जिला प्रशासन की ओर से हाइड्रा की व्यवस्था की गयी थी, जिनके कारण मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन कम समय में और बेहतर तरीके से किया गया. वहीं, जिला प्रशासन और जमशेदपुर दुर्गा पूजा केंद्रीय समिति ने सभी पूजा कमेटियों के साथ बेहतर तालमेल के साथ काम किया. जिसके कारण सभी क्षेत्र से प्रतिमाओं के निकलने की सूचना कंट्रोल रूम को तुरंत प्रदान की जा रही थी. भारी बारिश में भी श्रद्धालुओं की आपार भीड़ साकची गोलचक्कर से लेकर विभिन्न घाटों पर लगी रही.

घाटों पर दिखी ऐसी व्यवस्था : इस बार नदी में पानी का बहाव अधिक था, इस कारण ट्रक से लायी गया प्रतिमाओं को फीता बांधकर हाइड्रा के जरिये उठाकर नदी के अंदर लेकर पांच परिक्रमा के साथ विसर्जित किया गया. जब तक एक पूजा समिति की मूर्तियां विसर्जित होतीं, उनके वाहनों को सड़क पर जाने को कहा जा रहा था. वहीं, प्रतिमा लेकर आये दूसरी पूजा समिति के वाहनों को घाट के पास लाकर तैयार स्थिति में खड़ा रहने का निर्देश दिया जा रहा था. पूर्व में जब हाइड्रा की व्यवस्था नहीं थी, तो पूजा कमेटियों के लोग भारी मूर्तियों को वाहन से उतार कर कई स्टॉपेज के बाद नदी में प्रवाह के लिए ले जाते थे. ऐसा करने के दौरान पूर्व में कुछ दुर्घटनाएं भी हो चुकी थीं. दूसरी ओर, नदी में बढ़े जलस्तर को देखते हुए घाटों पर जिला प्रशासन ने गोताखोरों की भी व्यवस्था की थी.

जमशेदपुर में महादशमी पर सिंदूर खेला भक्तों ने मां दुर्गा को दी भावभीनी विदाई

जमशेदपुर में शारदीय नवरात्रि की महादशमी पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। नौ दिनों तक मां दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना के बाद दशमी तिथि पर महिलाओं ने परंपरागत सिंदूर खेला कर देवी को भावभीनी विदाई दी।

परंपरा के अनुसार, जिस प्रकार बेटी को विदा करने से पहले उसका श्रृंगार किया जाता है, उसी तरह मां दुर्गा की प्रतिमा पर सिंदूर अर्पित कर भक्त अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं। सुहागिन महिलाओं ने मां को सिंदूर चढ़ाकर अखंड सौभाग्य, परिवार की समृद्धि और जीवन में सुख-शांति की प्रार्थना की।

शहर के विभिन्न पंडालों और मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए। महिलाओं ने प्रतिमा पर सिंदूर चढ़ाने के बाद एक-दूसरे को भी सिंदूर लगाकर उत्सव का आनंद लिया। इस दौरान वातावरण पूरी तरह आस्था, उल्लास और भक्ति से सराबोर रहा।

महादशमी का यह उत्सव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। यह महिलाओं के बीच आपसी स्नेह, सौहार्द और एकता को मजबूत करता है। सिंदूर खेला में शामिल होकर महिलाएं न केवल अपने सौभाग्य और पति के दीर्घायु की कामना करती हैं, बल्कि समाज की खुशहाली और कल्याण की भी प्रार्थना करती हैं।

पूजा और सिंदूर खेला के उपरांत भक्तों ने भावुक होकर मां को विदा किया और अगले वर्ष फिर उसी श्रद्धा और उत्साह के साथ देवी के आगमन की प्रतीक्षा करने का संकल्प लिया। इस प्रकार महादशमी का यह पर्व आस्था, परंपरा और आनंद का सुंदर संगम प्रस्तुत करता है।

दार्जिलिंग हादसा

पश्चिम बंगाल में मौसम का कहर

दार्जिलिंग में बारिश-भूस्खलन से तबाही, पुल बहा, 20 की मौत

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में शनिवार को मूसलधार बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन हुए, जिसमें कम-से-कम 20 लोगों की मौत हो गयी और दर्जनों अन्य लापता हो गये हैं. भारी बारिश के चलते कई मकान जमींदोज हो गये, सड़कें ध्वस्त हो गयीं, पुल बह गये और दूरदराज के गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट गया है. दार्जिलिंग उप-मंडल अधिकारी रिचर्ड लेप्चा ने बताया कि राहत और बचाव कार्य तेजी से चल रहा है. एनडीआरएफ, पुलिस और प्रशासन की टीमें प्रभावित इलाकों में जुटी हैं. मिरिक, नागराकाटा, सरसली और धार गांव जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक नुकसान हुआ है. केवल 12 घंटों में 300 मिमी से अधिक बारिश हुई है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटना पर दुख जताया है. वह सोमवारको उत्तर बंगाल का दौरा करेंगी. उन्होंने पीड़ित परिवारों को मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की बात कही. हालांकि राशि का उल्लेख नहीं किया.

आइएमडी का रेड अलर्ट : भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दार्जिलिंग और कलिम्पोंग में छह अक्टूबर तक 'रेड अलर्ट' जारी किया है. विभाग ने चेतावनी दी है कि और भूस्खलन हो सकते हैं.

40 से ज्यादा लोगों को बचाया गया

बारिश और भूस्खलन के बाद हजारों की संख्या में पर्यटक दार्जिलिंग और आसपास के क्षेत्रों में फंसे हुए हैं. मुख्यमंत्री ने पर्यटकों से आग्रह किया है कि वे घबराएं नहीं और जहां हैं, वहीं सुरक्षित रहें. सरकार उनकी सुरक्षित वापसी की व्यवस्था कर रही है. इस बीच मिरिक–सुखियापोखरी मार्ग सहित कई सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं. नागराकाटा के धार गांव में मलबे से 40 से ज्यादा लोगों को बचाया गया है. इलाके की ढलान और फिसलन के कारण राहत कार्य में कठिनाई हो रही है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराष्ट्रपति ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दार्जिलिंग की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया. उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'दार्जिलिंग में भारी बारिश और भूस्खलन से जानमाल के नुकसान से दुखी हूं. जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं. घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं. सरकार स्थिति पर नजर रखे हुए है और हरसंभव सहायता प्रदान करेगी.' वहीं, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने दार्जिलिंग में लोगों की मौत होने पर शोक व्यक्त किया है.

दार्जिलिंग हादसा

दर्जनों लोग हुए लापता, हजारों पर्यटक फंसे

नेपाल में भारी बारिश से भूस्खलन, 51 की मौत

काठमांडू. नेपाल में दो दिन हुई लगातार बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 51 लोगों की मौत हो चुकी है. नेपाल पुलिस द्वारा जारी ताजा जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर साढ़े एक बजे तक एकत्र किये गये विवरण के मुताबिक देशभर में 51 लोगों की जान गयी है और 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं. सबसे ज्यादा जनहानि कोशी प्रदेश में हुई है. केवल इलाम जिले में ही 37 लोगों की मौत हुई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल में हुई इस तबाही पर दुख जाहिर किया है. उन्होंने पड़ोसी देश को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है.

उत्तरी बंगाल में बाढ़ का खतरा, इंटरनेट बंद, दार्जिलिंग से कटा सिक्किम

लगातार हो रही बारिश ने उत्तर बंगाल में तबाही मचा दी है. दार्जिलिंग जिले के मिरिक और सुखिया पोखरी में हुए भीषण भूस्खलन में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गयी है. प्रशासन के अनुसार राहत और बचाव अभियान जारी है और मृतकों की संख्या बढ़ सकती है. लगातार बारिश और मलबे के कारण दार्जिलिंग-सिलीगुड़ी के बीच मुख्य सड़क मार्ग बंद हो गया है, जबकि सिक्किम से सड़क संपर्क भी टूट चुका है. भारी बारिश ने जलपाईगुड़ी, सिलीगुड़ी और कूचबिहार जिलों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है. कई इलाकों में पानी भर गया है और बिजली-संचार सेवाएं प्रभावित हुई हैं. दार्जिलिंग और आसपास के हिल स्टेशनों में बड़ी संख्या में पर्यटक फंसे हुए हैं. प्रशासन ने सेना और आपदा प्रबंधन दल की मदद से राहत कार्य तेज कर दिया है. इस बीच भूटान के अधिकारियों ने चेतावनी जारी की है कि वांगचू नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है. यदि बारिश जारी रही, तो इसका पानी जलपाईगुड़ी और कूचबिहार के निचले इलाकों में प्रवेश कर सकता है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है. भूटान ने पश्चिम बंगाल सरकार से किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा है. मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के लिए भारी बारिश की चेतावनी दी है. राज्य सरकार ने सभी प्रभावित जिलों में राहत शिविरों और मेडिकल टीमों की तैनाती की है. लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन ने पहाड़ और मैदान दोनों इलाकों में लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं.

सीएम ने जताया दुख

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने घटना पर दुख जताते हुए एक्स पर लिखा कि मैं बहुत चिंतित हूं कि अचानक उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल दोनों के कई इलाके बाढ़ में डूब गये हैं. साथ ही बाहर से हमारे राज्य में अत्यधिक नदी का पानी आ गया है. **टोल फ्री नंबर जारी** : सीएम ने बताया कि कृपया मेरे आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष से 91 33 2214 3526 और 91 33 2253 5185 पर संपर्क करें, जबकि टोल फ्री नं 91 86979 81070 और 1070 हैं.

टॉय ट्रेन सेवाएं स्थगित

भारी बारिश और भूस्खलन के कारण, गोरखालैंड प्रादेशिक प्रशासन (जीटीए) ने दार्जिलिंग के टाइगर हिल और रॉक गार्डन सहित पर्यटन स्थलों को बंद करने का फैसला किया है. दार्जिलिंग टॉय ट्रेन सेवाएं भी स्थगित कर दी गयी हैं. अधिकारी निवासियों और यात्रियों से सावधानी बरतने और सड़क व मौसम की स्थिति पर अपडेट रहने का आग्रह कर रहे हैं.

मुसीबत

कोलकाता में बारिश ने मचायी तबाही

करंट लगने से 7 लोगों की मौत

पश्चिम बंगाल में कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में भारी बारिश का दौर जारी है. सोमवार को रात भर हुई भयंकर बारिश के कारण कई जगहों पर जलभराव हो गया, जिससे जनजीवन काफी प्रभावित हुआ. करंट लगने से 7 लोगों की मौत हो गई है. भारी बारिश और सड़कों पर पानी भर जाने के कारण कई स्कूलों ने छुट्टी घोषित कर दी है. दुर्गा पूजा त्योहार भी प्रभावित हुआ है. कोलकाता में भयंकर बारिश का दौर जारी है. सोमवार की पूरी रात हुई मूसलाधार बारिश से मंगलवार को कई इलाकों में जलभराव हो गया. सड़कों पर पानी भर जाने से जनजीवन लगभग ठप हो गया है. इस दौरान करंट लगने से कम से कम सात लोगों की मौत भी हो गयी. भारी बारिश के कारण कई इलाके जलमग्न हो गए, जिससे यातायात, सार्वजनिक परिवहन और ट्रेन सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारी बारिश को 'अभूतपूर्व' कहा है. उन्होंने फरक्का बैराज से गाद न निकालने और निजी बिजली कंपनी सीईएससी की चूक की आलोचना की. साथ ही उन्होंने लोगों से अपनी सुरक्षा के लिए घरों के अंदर रहने की अपील की है.

बारिश ने तोड़ा 37 साल का रिकॉर्ड

बदतर हुए हालात, स्कूलें बंद, ट्रेन-फ्लाइट रद्द

कोलकाता एयरपोर्ट से 40 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित

भारी बारिश के बावजूद कोलकाता एयरपोर्ट चालू रहा। हालांकि, यात्रियों को एयरपोर्ट तक पहुंचने में काफी दिक्कत हुई। शहर के कई पायलट और केबिन क्रू भी समय पर हवाई अड्डे नहीं पहुंच पाए। कोलकाता से हर सुबह कई उड़ानें रवाना होती हैं।

करंट लगने से आठ लोगों की मौत

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बिजली का करंट लगने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारी बारिश को अभूतपूर्व बताया और फरक्का बैराज से गाद न निकालने और निजी बिजली कंपनी सीईएससी की चूक की आलोचना की।

लोगों को घरों में रहने की सलाह

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां तक कि हमारे मकान भी जलमग्न हैं, हम सब परेशान हैं। मुझे पूजा पंडालों के लिए भी बहुत बुरा लग रहा है। स्कूलों को छुट्टियां घोषित करने के लिए कहा गया है और कार्यालय जाने वालों को आज और कल घर पर रहने की सलाह दी गई है।

ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित

एक अधिकारी ने बताया कि पटरियों पर पानी भर जाने के कारण सियालदह दक्षिण खंड में ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई है। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के कारण पटरियों पर पानी भर जाने से पूर्वी रेलवे के हावड़ा और कोलकाता टर्मिनल स्टेशनों के लिए ट्रेन सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित हुई हैं।

धोखाधड़ी

आशीष गुप्ता के खिलाफ अदालत ने जारी किया था इश्तेहार, 9 अप्रैल तक पेश होने का था आदेश

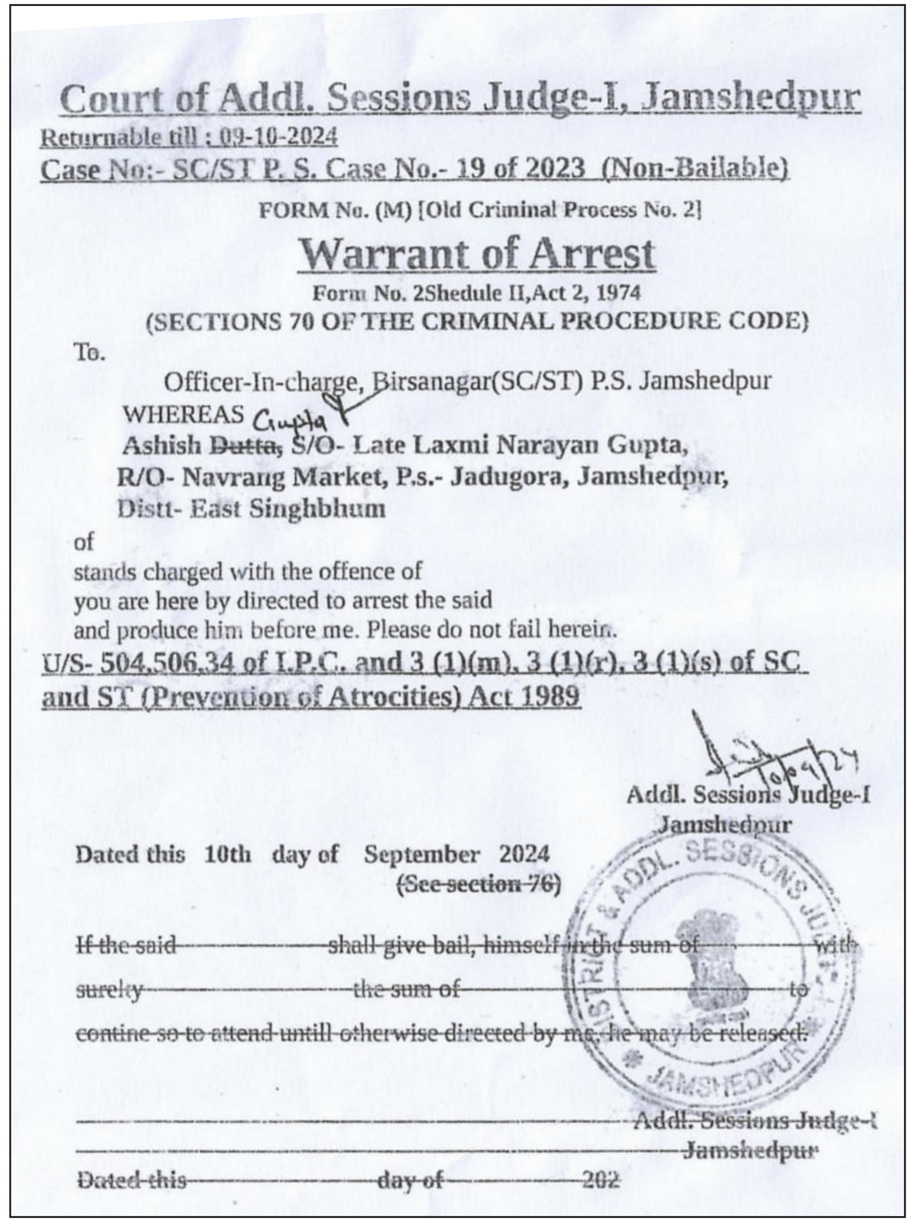

Court of Addl. Sessions Judge-I, Jamshedpur

Returnable till : 09-10-2024

Case No:- SC/ST P. S. Case No.- 19 of 2023 (Non-Bailable)

FORM No. (M) [Old Criminal Process No. 2]

Warrant of Arrest

Form No. 2Shedule II,Act 2, 1974

(SECTIONS 70 OF THE CRIMINAL PROCEDURE CODE)

To.

Officer-In-charge, Birsanagar(SC/ST) P.S. Jamshedpur

WHEREAS Gupta

Ashish ~~Dutta~~, S/O- Late Laxmi Narayan Gupta,

R/O- Navrang Market, P.s.- Jadugora, Jamshedpur,

Distt- East Singhbhum

of

stands charged with the offence of

you are here by directed to arrest the said

and produce him before me. Please do not fail herein.

U/S- 504,506,34 of I.P.C. and 3 (1)(m), 3 (1)(r), 3 (1)(s) of SC and ST (Prevention of Atrocities) Act 1989

Addl. Sessions Judge-I

Jamshedpur

Dated this 10th day of September 2024

~~(See section 76)~~

~~If the said shall give bail, himself in the sum of with surety the sum of to contine so to attend untill otherwise directed by me, he may be released.~~

~~Addl. Sessions Judge-I Jamshedpur~~

~~Dated this day of 202~~

जमशेदपुर। जमशेदपुर जिला एवं सत्र न्यायालय ने अश्विन गुप्ता (पिता स्व. लक्ष्मी नारायण गुप्ता, निवासी नव रंग मार्केट, थाना जादूगोड़ा, पूर्वी सिंहभूम) के खिलाफ इश्तेहार जारी किया है। यह आदेश जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-1 श्री बिमलेश कुमार सहाय की अदालत से जारी हुआ है। मामला एससी/एसटी थाना कांड संख्या 19/2023 से संबंधित है। अदालत ने कहा है कि अश्विन गुप्ता के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था, लेकिन वह नहीं मिल रहे है और गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार या छिपे हुए हैं। अदालत ने इश्तेहार जारी करते हुए अश्विन गुप्ता को आदेश दिया है कि वे 9 अप्रैल 2025 को जिला एवं सत्र न्यायालय, जमशेदपुर में उपस्थित होकर आरोपों का जवाब दें। ऐसा नहीं करने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह इश्तेहार 1 मार्च 2025 को जारी किया गया है और इसे थाना जादूगोड़ा के माध्यम से प्रकाशित किया गया है। बीच में कुछ दिनों के लिए उच्च न्यायालय से रोक लगा था परंतु उसका भी समय अवधि खत्म हो चुका है

राष्ट्र संवाद की मुहिम पर कायम, शांति और धैर्य बनाए रखने की अपील

जमशेदपुरः राष्ट्र संवाद टीम ने अपने पाठकों और समर्थकों से अपील की है कि वे शांति और धैर्य बनाए रखें। टीम ने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी मुहिम लगातार जारी रहेगी और किसी भी प्रकार की अफवाहों या बौखलाहट भरे बयानों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। टीम ने कहा कि पूजा के अवसर पर फिलहाल विराम लिया गया है, लेकिन यह पूर्ण विराम नहीं है। पूजा के बाद इस पर विस्तार से विचार किया जाएगा और विरोधियों को माकूल जवाब दिया जाएगा। साथ ही, उन्होंने कहा कि जो लोग इस मुहिम के खिलाफ बैकअप कर रहे है, उनका भी समय पर जवाब दिया जाएगा। राष्ट्र संवाद ने भरोसा जताया कि पाठक और समर्थक इस मुहिम में साथ खड़े रहेंगे और धैर्यपूर्वक आगे की कार्रवाई का इंतजार करेंगे।

कई मामले दर्ज हैं –

1. कांड संख्या 20/2002 (दिनांक 15.05.2002) – धारा 341/323/307/379/504/34 भा.दं.सं.
2. कांड संख्या 62/2008 (दिनांक 05.11.2008) – धारा 307/323/147/149/506 भा.दं.सं.
3. कांड संख्या 39/2022 (दिनांक 09.07.2022) – धारा 354(A)/354(B)/354(D)/376/379/341/504/506/511 भा.दं.सं.
4. कांड संख्या 09/2024 (दिनांक 19.01.2024) – धारा 341/323/504/506/34 भा.दं.सं.
5. ST/SC केस संख्या 19/23 – अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989, 2015, 2018 की धारा 3(1)(s) सहित 504/506 IPC।

प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर का प्रतिनिधिमंडल जादूगोड़ा थाना प्रभारी से मिला, फर्जी आरोपों पर निष्पक्ष जांच का आश्वासन

जमशेदपुर। प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को वरिष्ठ पत्रकार बिरेंद्र कुमार सिंह की अगुवाई में जादूगोड़ा थाना प्रभारी राजेश मंडल से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने शिकायत की कि क्षेत्र के साइबर माफियाओं और भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार प्रकाशित हो रही खबरों से नाराज होकर आशीष कुमार गुप्ता द्वारा सोशल मीडिया पर फर्जी और तथ्यों से परे खबरें प्रसारित की जा रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि आशीष गुप्ता ने पत्रकार मनीशंकर और सुशील अग्रवाल के विरुद्ध थाना में गलत आरोप लगाकर शिकायत दर्ज करवाई है। थाना प्रभारी राजेश मंडल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि ऐसे बेबुनियाद मामलों की निष्पक्ष जांच की जाएगी और फर्जी केस दर्ज करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में राकेश मिश्रा, अनुप गुप्ता, सुशील अग्रवाल, संजय सरदार, शिव कुमार, अरविंद गुप्ता और मनीशंकर शामिल थे।

"राष्ट्र संवाद" ने स्वयं को निष्पक्ष व निर्भीक माध्यम के रूप में स्थापित किया है : अंकित

राष्ट्र संवाद" पत्रिका सह समाचार पत्र अपने नाम के अनुरूप सदैव राष्ट्रहित और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाता रहा है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की वास्तविक भूमिका निभाते हुए यह पत्रिका केवल समाचार नहीं देती, बल्कि जनता की समस्याओं को समाधान तक पहुँचाने का दायित्व भी निभाती है। समाज के विभिन्न वर्गों की आवाज को मंच प्रदान कर "राष्ट्र संवाद" ने स्वयं को निष्पक्ष, निर्भीक और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्ध माध्यम के रूप में स्थापित किया है।

जहां हर आवाज को मिले सम्मान वहीं है राष्ट्र संवाद : अप्पू तिवारी

देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने और निर्भीक एवं निष्पक्ष पत्रकारिता को नई दिशा देने के उद्देश्य का माध्यम राष्ट्र संवाद है। अप्पू तिवारी ने कहा की राष्ट्र संवाद सिर्फ संवाद का मंच नहीं बल्कि हर आम और खास की आवाज़ को बराबरी से सुनने और सम्मान देने की पहल है। पत्रकारिता जगत में लोकतंत्र की बुनियाद को और मजबूत करने का संकल्प लेकर निर्भीक और निष्पक्ष संवाद के साथ खड़ा रहने वाले राष्ट्र संवाद पर प्रश्न उठाना और कटघड़े में खड़ा करना आजकल के लोगो की ओछी मानसिकता को दर्शाता है और एसे लोग समाज को दूषित करते है जो लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर उंगली उठाते है राष्ट्र संवाद समाज के एक प्रहरी के रूप में कार्य करती है।

सीजन की पहली बर्फबारी से सफेद चादर में लिपटी लाहौल घाटी, शून्य से नीचे पारा

लाहौल-स्पीति । हिमाचल प्रदेश की लाहौल घाटी में मौसम ने एक बार फिर करवट बदल ली है। सीजन की पहली बर्फबारी ने पूरे इलाके को बर्फ की सफेद चादर से ढक दिया है। अचानक आई इस बर्फबारी से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे लोग अपने घरों के भीतर दुबककर बैठने को मजबूर हो गए हैं। रविवार रात से शुरू हुई बर्फबारी से रोहतांग दर्रा, बारालाचा, कुंजुम, तांदी, केलांग, उदयपुर और आसपास के ऊंचाई वाले क्षेत्र पूरी तरह बर्फ से ढक गए हैं। सुबह होते-होते सड़कों पर बर्फ की मोटी परत जम गई, जिससे सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लोगों के लिए बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है और ठंडी हवाओं के थपेड़ों से बचने के लिए लोग घरों के अंदर दुबकने को मजबूर हो गए हैं। मौसम विभाग ने पहले से ही ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की चेतावनी जारी की थी, लेकिन इसकी तीव्रता ने सभी को हैरान कर दिया। तापमान शून्य से नीचे चला गया है और बर्फबारी के साथ ठंडी हवाओं ने लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, इतनी जल्दी और भारी बर्फबारी पिछले कई वर्षों में नहीं देखी गई। यह अचानक मौसम परिवर्तन सर्दियों की शुरुआत का संकेत दे रहा है, लेकिन साथ ही यह किसानों और बागवानों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

लाहौल घाटी में आलू और सेब की फसलें इस समय मंडियों के लिए तैयार हैं। बेमौसम बर्फबारी ने इन फसलों के परिवहन और गुणवत्ता पर गंभीर असर डाला है। किसानों की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है, क्योंकि बर्फ से फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। सड़कों पर बर्फ जमा होने से परिवहन व्यवस्था भी चरमरा गई है, जिससे माल ढुलाई में भारी दिक्कतें आ रही हैं।

इस बर्फबारी ने घाटी की खूबसूरती तो बढ़ा दी है, लेकिन इसके साथ ही यहां के लोगों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। ऐसे में मौसम विभाग ने लोगों से अलर्ट रहने को कहा है।

बिलासपुर में बड़ा हादसा, भूस्खलन में बस सवार 15 लोगों की हुई मौत

बिलासपुर। देश के पहाड़ी राज्यों में शुरू हुआ प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर से जुड़ा है। यहां मंगलवार को भूस्खलन के दौरान पहाड़ी से निकला भारी मलबा यात्रियों से भरी एक प्राइवेट बस पर आ गिरा। इस घटना में 10 लोगों की मौत की खबर आई। बताया जाता है कि इस हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 15 से 20 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे दल ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। यह घटना बिलासपुर जिला के झंडूता उपमंडल के तहत बल्लू पुल के पास की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, अभी तक मलबे से 10 शवों को निकाला जा चुका है, जबकि मृतकों की संख्या में वृद्धि की आशंका जताई जा रही है।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय ने सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''बिलासपुर जिला के झंडूता विधानसभा क्षेत्र के बालूघाट (भल्लू पुल) के पास हुए भीषण भूस्खलन की खबर ने मन को भीतर तक झकझोर दिया है। इस भारी भूस्खलन में एक प्राइवेट बस के चपेट में आने से 10 लोगों के निधन का दुःखद समाचार मिला है और कई अन्य के मलबे में दबे होने की आशंका है।ᳵ

पोस्ट में आगे लिखा गया, ''रेस्क्यू ऑपरेशन युद्ध स्तर पर जारी है। अधिकारियों को पूरी मशीनरी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। मैं स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हूं और पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन की पल-पल की जानकारी ले रहा हूं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति दें और शोकाकुल परिवारों को संबल प्रदान करें। इस कठिन घड़ी में मैं सभी प्रभावित परिवारों के साथ हूं। इससे पहले पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण 13 लोगों की मौत हो गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 लाख राहत राशि की घोषणा की

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में मंगलवार को भूस्खलन के दौरान पहाड़ी से निकला भारी मलबा यात्रियों से भरी एक प्राइवेट बस पर जा गिरा। इस घटना में 10 लोगों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री मोदी ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतक के परिजनों और घायलों को आर्थिक मदद देने का ऐलान किया। प्रधानमंत्री कार्यलय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी के हवाले से लिखा, ᳵहिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में हुए एक हादसे में हुई जान-माल की हानि से दुखी हूं। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पीएमओ ने पोस्ट में आगे लिखा, ᳵप्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय ने सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''बिलासपुर जिला के झंडूता विधानसभा क्षेत्र के बालूघाट (भल्लू पुल) के पास हुए भीषण भूस्खलन की खबर ने मन को भीतर तक झकझोर दिया है।

राष्ट्रपति मुर्मू, गृह मंत्री शाह और जेपी नड्डा ने जताया दुख

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में मंगलवार शाम हुए भीषण भूस्खलन के मलबे की चपेट में एक बस आ गई। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इस दुखद हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुख जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ᳵबिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन के कारण हुई बस दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।ᳵ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा, ᳵहिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में भूस्खलन के कारण हुए बस हादसे से मन अत्यंत दुखी है। एनडीआरएफ की टीमें घटना घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं और बचाव कार्य में लगी हैं। इस हादसे में जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

कुड़मी समाज का रेल टेका-डहर छेका आंदोलन

अस्त-व्यस्त रही रेल सेवा, दर्जनों ट्रेनें रद्द

रात में कुड़मियों का आंदोलन हुआ वापस

केंद्रीय गृह मंत्रालय के आश्वासन पर आंदोलन खत्म

टाटानगर में 10 हजार से ज्यादा यात्री प्रभावित

आदिवासी कुड़मी समाज के आह्वान पर शनिवार को पूर्वी सिंहभूम जिले के गालूडीह और चक्रधरपुर रेल मंडल के सीनी स्टेशन पर रेल टेका-डहर छेका आंदोलन हुआ. कुड़मी को आदिवासी सूची (एसटी) में शामिल करने की मांग को लेकर हजारों लोग रेलवे ट्रैक पर उतर आये. नेताओं का कहना था कि लंबे समय से कुड़मी समाज एसटी सूची में शामिल होने की मांग कर रहा है, लेकिन अब तक सरकार की ओर से ठोस पहल नहीं हुई है. बार-बार ज्ञापन देने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला, इसलिए विवश होकर उन्हें रेल रोकने जैसा आंदोलन करना पड़ा. आंदोलन का नेतृत्व आदिवासी कुड़मी समाज के केंद्रीय प्रवक्ता हरमोहन महतो, कुड़मी सेना के केंद्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र महतो, लालटू महतो समेत अन्य नेताओं ने किया. इस दौरान महिलाओं और युवाओं की भागीदारी रही. गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब कुड़मी समाज ने रेल और सड़क रोककर अपनी मांगों को उठाया है. इससे पहले भी झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में इसी तरह के आंदोलन हो चुके हैं.

एसटी का दर्जा मांग रहे हैं कुड़मी, आंदोलन को लेकर सुबह चार बजे से ही रेलवे स्टेशनों में पहुंचने लगे थे

बस बनी सहारा मानगो बस स्टैंड में लगी भीड़

टाटानगर रेलवे स्टेशन पर यात्री ट्रेनों के अभाव और रद्द होने के कारण लोग वैकल्पिक व्यवस्था के लिए मानगो स्थित लंबी दूरी के बस स्टैंड पहुंचे. शाम को खुलने वाली बसों में भारी भीड़ देखी गई, जिससे बसों में यात्रियों की संख्या सामान्य से कहीं अधिक हो गयी . बिहार, बंगाल, ओड़िशा और बनारस जाने वाली बसों के सारे टिकट बिक गए. बस मालिकों और कर्मचारियों ने किसी तरह सभी यात्रियों को बसों में एडजस्ट किया और परिचालन सामान्य तरीके से जारी रहा. बस एसोसिएशन के अध्यक्ष उदय सिंह ने बताया कि हमने पूरी कोशिश की कि यात्रियों को सुविधा दी जा सके. नजदीकी गंतव्य के यात्रियों को टिकट उपलब्ध कराए गए और सभी लोग बस सेवा का लाभ उठा सके.

टाटानगर स्टेशन पर सुबह से ही रही अफरा तफरी, घंटों हंगामा

जमशेदपुर । कुड़मी समाज के रेल चक्का जाम के कारण टाटानगर रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही अफरा-तफरी का माहौल बना रहा. वंदेभारत समेत कई ट्रेनें घंटों तक रुकी रही, जिससे यात्री परेशान होकर स्टेशन पर ही फंसे रहे. हालात ऐसे थे कि हर घंटे स्टेशन के पूछताछ केंद्र और बनाए गए विशेष काउंटर पर हंगामा होता रहा. यात्रियों की शिकायत थी कि उन्हें सूचना तो दी जा रही है लेकिन वैकल्पिक ट्रेन की जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा रही थी. रेलवे अधिकारी भी बेबस दिखे क्योंकि उनके पास भी कोई ठोस इंतजाम नहीं था. यात्रियों के पास टिकट रद्द कराने के अलावा कोई विकल्प नहीं था. कई लोग स्टेशन पर ही इस उम्मीद में डटे रहे कि ट्रेन कभी भी चल पड़ेगी और वे अपने गंतव्य तक पहुंच जाएंगे. किसी को इलाज के लिए, किसी को परीक्षा देने, तो किसी को परिजन के निधन पर जाना था, लेकिन सभी स्टेशन पर ही अटके रहे. उमस भरी गर्मी में लोग पानी पीकर गुजारा करते नजर आए. बच्चे हों या बुजुर्ग, हर कोई बेहाल दिखा.

टाटानगर रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर पर 250 से अधिक यात्रियों ने टिकट रद्द कराया. ऑनलाइन टिकट धारकों की संख्या अधिक होने के कारण ऑफलाइन रद्द टिकट की संख्या कम रही. स्टेशन पर 210 सामान्य टिकट रद्द हुए, जिनके तहत लगभग 10,500 रुपये लौटाए गए. इसके अलावा, 48 रिजर्वेशन टिकट रद्द कराए गए, जिसके तहत लगभग 16,000 रुपये यात्रियों को रिफंड मिले.

टाटानगर स्टेशन से रोजाना लगभग 44,169 यात्री सफर करते हैं. यहां 57 मेल और एक्सप्रेस तथा 35 पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव होता है. लेकिन जाम के कारण शाम पांच बजे तक केवल एक दर्जन ट्रेनें ही दूसरे रूट से गुजरीं. परिणामस्वरूप करीब 10 हजार यात्री यात्रा नहीं कर सके.

अमेरिका के तीन वैज्ञानिकों को फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार

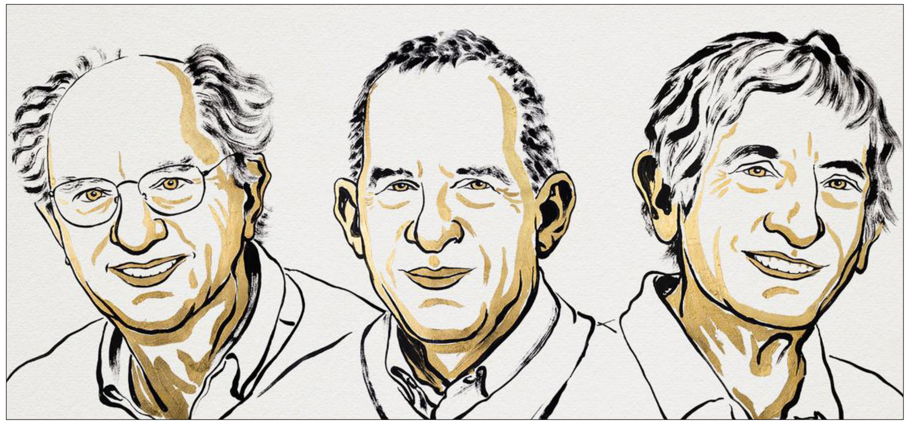

नई दिल्ली। स्वीडन में आज फिजिक्स के नोबेल पुरस्कार की घोषणा हो गई। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने दोपहर 3:15 बजे विजेताओं के नाम का ऐलान किया। इस साल फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार अमेरिका के जॉन क्लार्क, माइकल डेवोरेट, जॉन मार्टिनिस को मिला है। पुरस्कार की घोषणा करते हुए क्वांटम मैकेनिज्म के प्रभावों को समझाया गया। इस वर्ष के नोबेल पुरस्कार विजेताओं ने एक इलेक्ट्रिकल सर्किट के साथ प्रयोग किए, जिसमें उन्होंने एक ऐसी प्रणाली में क्वांटम मैकेनिकल टनलिंग और क्वांटाइज्ड एनर्जी लेवल, दोनों का प्रदर्शन किया जो हाथ में पकड़ने लायक थी। ये खोज क्वांटम क्रिप्टोग्राफी, क्वांटम कंप्यूटर और क्वांटम सेंसर सहित क्वांटम तकनीक को और समझने में मदद करेगी।

आमतौर पर क्वांटम मैकेनिक्स के नियम बहुत छोटे कणों (इलेक्ट्रॉन) पर लागू होते हैं। इनके व्यवहार को माइक्रोस्कोपिक कहा जाता है, क्योंकि ये इतने छोटे होते हैं कि सामान्य माइक्रोस्कोप से भी दिखाई नहीं देती। लेकिन अब इन वैज्ञानिकों ने पहली बार बिजली के सर्किट में ₹बड़े पैमाने₹ (मैक्रोस्कोपिक) पर क्वांटम टनलिंग और ऊर्जा के स्तरों की खोज की है। बता दें, (नोबेलप्राइज डॉट ओआरजी के अनुसार) 1901 से अब तक 118 वैज्ञानिकों को भौतिकी पुरस्कार प्रदान किए जा चुके हैं। इनमें सबसे कम उम्र के विजेता 25 साल के लॉरेंस ब्रैग (1915) थे तो 96 साल के आर्थर अश्किन (2018) ये सम्मान हासिल करने वाले सबसे उम्रदराज वैज्ञानिक थे।

पहले भारतीय जिन्हें इस श्रेणी में पुरस्कृत किया गया, वो सर सीवी रमन थे। उन्हें ये सम्मान 1930 में दिया गया। उनकी खोज ने बताया था कि जब प्रकाश किसी पदार्थ से टकराता है, तो उसका रंग बदल सकता है। इसे रमन इफेक्ट कहते हैं। यह खोज आज लेजर और मेडिकल तकनीकों में इस्तेमाल होती है। वहीं दूसरे भारतीय मूल के अमेरिकी वैज्ञानिक सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर थे। इन्हें 1983 में तारों (स्टार्स) के जीवन और मृत्यु की खोज के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने ही बताया कि बड़े तारे अंत में ब्लैक होल बन सकते हैं।

6 से 13 अक्टूबर के बीच विभिन्न श्रेणियों में नोबेल प्राइज दिए जाते हैं। 6 अक्टूबर 2025 को मेडिसिन के लिए मैरी ई. ब्रंकॉ, फ्रेड राम्सडेल और शिमोन साकागुची को दिया गया है। इन्हें यह प्राइज पेरीफेरल इम्यून टॉलरेंस के क्षेत्र में किए गए रिसर्च के लिए दिया गया है।

विजेता को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (10.3 करोड़ रुपए), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट मिलेंगे। अगर एक से ज्यादा वैज्ञानिक जीतते हैं, तो यह प्राइज मनी उनके बीच बंट जाती है। पुरस्कार 10 दिसंबर को स्टॉकहोम में दिए जाएंगे।

इंडोनेशिया में स्कूल की दीवार गिरने से अब तक 53 लोगों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया में स्कूल की इमारत गिरने की घटना में मौत का आंकड़ा 53 तक पहुंच चुका है। पूर्वी जावा प्रांत के सिदोअर्जो में स्कूल की इमारत ढह गई, जिससे मलबे में कई लोग फंस गए। अब तक 53 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि पीड़ितों का रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है। क्षेत्रीय बचाव अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पूर्वी जावा खोज एवं बचाव कार्यालय के प्रमुख नानंग सिगिट के अनुसार, ज्वाइंट रेस्क्यू टीम ने रविवार शाम सिदोअर्जो रीजेंसी के अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल परिसर के मलबे के नीचे से आठ शव बरामद किए। बता दें कि घटना के बाद लगातार आठवें दिन भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और अब तक कुल 157 पीड़ितों के बारे में जानकारी मिली। पीड़ितों में 104 जीवित बचे हैं और 53 की मौत हो गई।

शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, स्कूल की यह इमारत 29 सितंबर को ढह गई थी। घटना के दौरान सैकड़ों छात्र वहां नमाज पढ़ रहे थे। घटना किस वजह से हुई, उसे लेकर जांच की जा रही है। सिदोअर्जो के जिला प्रमुख सुबांडी ने पुलिस के पूर्व बयानों की पुष्टि की। पुलिस की ओर से कहा गया था कि स्कूल प्रबंधन परियोजना शुरू करने से पहले आवश्यक निर्माण परमिट प्राप्त करने में विफल रहा था। इंडोनेशिया के 2002 भवन निर्माण संहिता के अनुसार, किसी भी निर्माण गतिविधि से पहले संबंधित अधिकारियों से परमिट प्राप्त करना जरूरी है। नियमों का पालन न करने पर जुर्माना या कारावास हो सकता है। इसके अलावा, यदि उल्लंघन के कारण मृत्यु हो जाती है, तो दंड में 15 साल तक की जेल और 8 अरब रुपिया (लगभग 500,000 डॉलर) तक का जुर्माना शामिल हो सकता है।

मलबे में फंसे स्कूली छात्रों में ज्यादातर बच्चे 12 से 19 साल के बीच के बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद नोटिस बोर्ड पर दी गई जानकारी के अनुसार करीब 65 छात्रों का कुछ पता नहीं चल पाया था। घटना की चपेट में आए छात्रों के परिजनों का बुरा हाल हो रहा है।

इनमें से सभी स्टूडेंट्स सातवीं से बारहवीं क्लास के लड़के थे। जीवित बचे लोगों ने बताया कि छात्राएं इमारत के दूसरे हिस्से में प्रार्थना कर रही थीं और हादसे के वक्त किसी तरह बच निकलीं। इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि स्कूल में दो मंजिलें थीं, लेकिन बिना अनुमति के और मंजिलें बनाई जा रही थीं।

रांची की केमिकल फैक्ट्री में अचानक लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

ओरमांझी (रांची) : ओरमांझी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक केमिकल फैक्ट्री में अचानक आग लग गयी. इससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गयी. तत्काल फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी गयी. दमकल की गाड़ियों के आने तक आग की लपटें काफी ऊंची उठने लगी थीं. दमकल वाहनों के घटनास्थल पर पहुंचने पर आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया. इस दौरान आस-पास का इलाका धुआं-धुआं हो गया था. इस अगलगी में लाखों के नुकसान का अनुमान है.

फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग : ओरमांझी के कोयलारी इरबा स्थित केमिकल फैक्ट्री में शुक्रवार करीब 11.30 बजे अरिहंट इंटर प्राइजेज नामक केमिकल फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गयी. इससे फैक्ट्री के अंदर रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया. आग पर काबू पाने के लिए छह दमकल वाहनों को लगाया गया. स्थानीय लोगों की मानें तो इस फैक्ट्री में बिजली में कुछ खराबी थी, जिसे बनवाने के लिए बिजली मिस्त्री को बुलाया गया था. बिजली मिस्त्री ने जैसे ही स्विच से लाइन काटा, आग धधकने लगी और देखते ही देखते आग बेकाबू हो गयी.

गैरेज और गोदाम जलने से बच गए : दमकलकर्मियों की तत्परता से केमिकल फैक्ट्री के समीप स्थित नौशाद गैरेज, भारत गैस का गोदाम, इरबा बिजली सब स्टेशन और एक लोहा गोदाम को जलने से बचा लिया गया. हालांकि ढाई-तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका था.

चाईबासा में 10 नक्सलियों ने किया सरेंडर, इनमें 4 महिलाएं

पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में गुरुवार को 10 नक्सलियों ने डीजीपी अनुराग गुप्ता के समक्ष हथियार समेत आत्मसमर्पण किया. इनमें चार महिला और छह पुरुष शामिल हैं. सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने कहा कि झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर हमने समाज की मुख्य धारा में आने का निर्णय लिया है. गुरुवार को चाईबासा पुलिस केंद्र में डीजीपी व सीआरपीएफ के वरीय अधिकारियों ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों का माला पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया. आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को जिला पुलिस ने गुरुवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया. वहां से उन्हें जेल भेज दिया गया. आत्मसमर्पण करने पहुंची महिला नक्सली कैरी कायम डेढ़ साल की बेटी को गोद में लेकर आयी थी. आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर टोंटो, छोटानागरा, जराइकेला व गुवा थाना में हत्या, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, आर्म्स एक्ट और यूएपीए जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं.

ओडिशा में लूटे गये हथियार व विस्फोटकों में 80% बरामद : डीजीपी ने बताया कि झारखंड और ओडिशा पुलिस के संयुक्त प्रयास से हाल में ओडिशा में नक्सलियों द्वारा लूटे गये हथियार और विस्फोटकों में 70 से 80 प्रतिशत बरामद किये जा चुके हैं. हर हफ्ते पुलिस मुठभेड़ में नक्सली मारे जा रहे हैं. इस कारण नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं. जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं करेंगे, वे मुठभेड़ में मारे जायेंगे. पहले नक्सली सड़क पर बम रखकर सुरक्षा बलों के वाहन उड़ाते थे. अब उनकी संख्या अत्यंत कम होकर लगभग 10 प्रतिशत रह गयी है.

तमिलनाडु भगदड़

अभिनेता विजय की रैली में उमड़ी भीड़, भगदड़ में 36 की मौत

तमिलनाडु के करूर में अभिनेता व तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय के नेतृत्व में आयोजित एक रैली में शनिवार को भगदड़ मचने से आठ बच्चों समेत कुल 36 लोगों की मौत हो गई. जबकि 50 से अधिक लोग घायल हैं. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने स्थिति की समीक्षा के लिए सचिवालय में राज्य के शीर्ष अधिकारियों की बैठक बुलाई और बताया कि मृतकों में 16 महिलाएं भी शामिल हैं. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी करूर में भगदड़ के बाद की स्थिति की जानकारी लेने के लिए तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि और स्टालिन से बात कर हर संभव केंद्रीय मदद का आश्वासन दिया. अधिकारियों के अनुसार, भगदड़ शाम करीब साढ़े सात बजे उस समय मची जब विजय अपने समर्थकों को संबोधित कर रहे थे. भारी संख्या में समर्थक दोपहर में ही इकट्ठा हो गये थे और टीवीके नेता व फिल्म कलाकार की एक झलक पाने के लिए घंटों से इंतजार कर रहे थे. विजय के भाषण के दौरान भीड़ के दबाव के बीच भगदड़ मचने से हादसा हो गया.

मृतकों में 8 बच्चे और 16 महिलाएं, करीब 50 हुए घायल

10 हजार के जगह पहुंच गये 50 हजार, लाठीचार्ज से भीड़ बेकाबू

तमिलनाडु के करूर में शनिवार को अभिनेता से नेता बने विजय की रैली ने ऐसा भयावह रूप ले लिया, जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी. टीवीके (तमिलगा वेत्री कझगम) प्रमुख विजय के चुनावी रोड शो के लिए पुलिस को भेजे गये पत्र में आयोजकों ने महज 10 हजार लोगों की मौजूदगी का अनुमान जताया था, लेकिन जमीन पर तस्वीर बिल्कुल अलग थी. अपने चहेते थलापति विजय की एक झलक पाने के लिए 50 हजार से अधिक फैंस उमड़ पड़े. 1.20 लाख वर्गफुट क्षेत्रफल में सीमित जगह, उमस और अव्यवस्था के बीच जब विजय मंच पर आये तो भीड़ ने काबू खो दिया. पुलिस ने हालात संभालने के लिए लाठीचार्ज किया और फिर भगदड़ मच गयी. अब सवाल यह है कि रैली की अनुमति किन शर्तों पर दी गयी थी और सुरक्षा इंतजाम इतने बड़े जनसैलाब के लिए क्यों नाकाफी साबित हुए. हादसे के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने तमिलनाडु सरकार से विस्तृत रिपोर्ट की मांग है.

- विजय को शनिवार दोपहर 12 बजे करूर पहुंचना था, छह घंटे की देर हुई
- भीड़ बहुत ज्यादा हो चुकी थी और लोग भीड़, गर्मी से बेहोश होने लगे
- अभिनेता–राजनेता ने भाषण रोक कर बस से पानी की बोतलें फेंकनी शुरू की
- समर्थकों का एक ग्रुप अभिनेता की बस के पास पहुंचने की कोशिश में गिर गया

राष्ट्रपति व पीएम मोदी ने जताया शोक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करूर में हुई घटना पर शोक जताया है. पीएम ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'तमिलनाडु के करूर में एक राजनीतिक रैली के दौरान हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना बेहद दुखद है. मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है. मैं इस कठिन समय में उन्हें शक्ति प्रदान करने की कामना करता हूं. सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं.' उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता विपक्ष व सांसद राहुल गांधी ने भी घटना में मरने वालों और घायलों के प्रति संवेदना व्यक्त की है.

विजय बच नहीं सकते : विपक्ष

हादसे के बाद विजय को तिरुचिरापल्ली एयरपोर्ट पर देखा गया. इस पर विपक्षी नेताओं ने सवाल उठाये कि इतनी बड़ी घटना के बाद वे तुरंत क्यों निकल गये, उन्होंने संवेदना तक नहीं प्रकट की. डीएमके प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने विजय और आयोजकों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि लोगों को छह घंटे तक धूप में इंतजार कराया गया. यह आपराधिक लापरवाही है और विजय इससे बच नहीं सकते.

विजय के भाषण के दौरान खराब हुई स्थिति बेहोश होकर गिरे लोग

विजय जब सभा को संबोधित कर रहे थे, तब भीड़ बढ़ती गई और हालात बेकाबू हो गये तथा पार्टी कार्यकर्ताओं और कुछ बच्चों समेत कई लोग बेहोश होकर गिर पड़े. कई कार्यकर्ताओं ने स्थिति को भांप लिया और शोर मचाया. इस पर विजय ने ध्यान दिया और अपना भाषण रोककर, खासतौर पर बनाई गयी प्रचार बस के ऊपर से लोगों तक पानी की बोतलें पहुंचाने की कोशिश की. एंबुलेंस को भीड़–भाड़ वाली सड़क से होते हुए घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी. विजय ने स्थिति को समझते हुए अपना भाषण निर्धारित समय से पहले ही समाप्त कर दिया.

अगलगी

एसएमएस हॉस्पिटल में देर रात आग, आइसीयू में 6 की मौत

16 को बचाया भी, शॉर्ट सर्किट की आशंका

जयपुर । राजधानी जयपुर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल सवाई मानसिंह (SMS) हॉस्पिटल में रविवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो ICU में लगी आग में 6 मरीजों की मौत हो गई, जिनमें 3 महिलाएं भी शामिल हैं।सरकार ने आधिकारिक तौर पर 6 मौतों की पुष्टि की है। हादसे के बाद अस्पताल में अफरातफरी मच गई, कई मरीजों को तुरंत अन्य वार्डों में शिफ्ट किया गया। रविवार की रात 11 बजकर 20 मिनट पर ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो ICU वार्ड से अचानक धुआं उठने लगा। यह आग स्टोर रूम में लगी, जहां पेपर फाइलें, मेडिकल उपकरण और ब्लड सैंपल ट्यूब रखे हुए थे। कुछ ही पलों में आग ने ICU क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, आग लगने की प्राथमिक वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। हालांकि, फिलहाल विद्युत विभाग और फायर सेफ्टी टीम जांच में जुटी है।

ICU में थे 24 मरीज, बचाए गए 16 : हादसे के समय न्यूरो ICU में 11 और उसके बगल वाले ICU में 13 मरीज भर्ती थे। जब आग फैली तो नर्सिंग स्टाफ और ड्यूटी डॉक्टरों ने तुरंत अलार्म बजाया और फायर अलर्ट सिस्टम सक्रिय किया। दमकल विभाग की टीम 10 मिनट के भीतर मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। ट्रॉमा सेंटर के नोडल ऑफिसर ने बताया कि, “ज्यादातर मरीजों की मौत धुएं से दम घुटने के कारण हुई है। कुछ मरीज झुलस गए थे, जिन्हें तुरंत शिफ्ट किया गया।”

मरने वालों की पहचान : अस्पताल प्रशासन ने अब तक जिन 6 मृतकों की पुष्टि की है, उनमें तीन महिलाएं हैं। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। फिलहाल मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। परिजनों को सूचना दे दी गई है।

हादसे के बाद मचा हड़कंप : आग लगने की खबर मिलते ही अस्पताल परिसर में अफरातफरी मच गई। सैकड़ों की संख्या में मरीजों के परिजन बाहर निकल आए। पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने स्थिति को नियंत्रित किया। कुछ देर के लिए ट्रॉमा सेंटर की बिजली काट दी गई ताकि आग फैल न सके। घटना के बाद राज्य सरकार के अधिकारी और जयपुर जिला प्रशासन भी अस्पताल पहुंचा। कई गंभीर मरीजों को मुख्य भवन के वार्डों में शिफ्ट किया गया है।

शासन ने बनाई 6 सदस्यीय जांच कमेटी : राजस्थान सरकार ने इस पूरे हादसे की जांच के लिए 6 सदस्यीय उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया है। इसमें चिकित्सा शिक्षा विभाग के शासन सचिव अम्बरीष कुमार ने विभाग के आयुक्त इकबाल खान को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया है। पांच सदस्यों में हॉस्पिटल प्रशासन (राजमेस) के अतिरिक्त निदेशक मुकेश कुमार मीणा, राजमेस के मुख्य अभियंता चंदन सिंह मीणा, पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता (बिजली) अजय माथुर, SMS मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्रधानाचार्य डॉ. आरके जैन और नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी शामिल हैं। यह कमेटी ट्रॉमा सेंटर में आग लगने की घटना की डिटेल रिपोर्ट देगी। आग लगने के कारणों, आग पर काबू पाने की व्यवस्था, मरीजों की सुरक्षा व उन्हें वहां से बाहर निकालने इंतजाम, भविष्य में ऐसी आगजनी की घटनाओं से हॉस्पिटल को बचाने, ऐसी दुर्घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए व्यवस्था की विस्तार से जांच होगी।

राजस्थान का SMS हॉस्पिटल राज्य का सबसे बड़ा चिकित्सा केंद्र है, जहां रोज़ाना हजारों मरीज आते हैं। ऐसे में ICU जैसी संवेदनशील जगह पर आग लगना अस्पताल सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

हाल के वर्षों में देश के कई अस्पतालों में इसी तरह की आग की घटनाएं हो चुकी हैं - मुंबई, भोपाल, अहमदाबाद, और दिल्ली के अस्पतालों में भी शॉर्ट सर्किट के कारण मरीजों की जान गई थी। विशेषज्ञ मानते हैं कि ICU वार्डों में बिजली की अधिक लोडिंग और पुराने वायरिंग सिस्टम ऐसी घटनाओं की मुख्य वजह हैं।

हादसा दुर्भाग्यपूर्ण, दुःख की घड़ी में सरकार शोक संतप्त परिजनों के साथ खड़ी : सीएम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार देर रात सवाई मानसिंह अस्पताल में ट्रोमा एवं अस्थि रोग संस्थान के न्यूरोसर्जरी आईसीयू-1 में इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग से हुई दुर्घटना पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री हादसे की जानकारी मिलते ही देर रात घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने घायलों से मिलकर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। भजनलाल शर्मा ने पूरी स्थिति का जायजा लिया और चिकित्सकों एवं अधिकारियों को प्रभावितों को त्वरित राहत देने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं ने दुख जताया

नई दिल्ली/जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के जयपुर स्थित सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में आग लगने से हुई जान-माल की हानि पर दुख जताया है। इस घटना में 6 लोगों की मौत हुई है। आग अस्पताल में ट्रॉमा आईसीयू वार्ड में लगी थी। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि जयपुर स्थित एक अस्पताल में आग लगने से हुई जान-माल की हानि अत्यंत दुखद है। उन्होंने आगे कहा, ‶जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।‶ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, ‶जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग लगने से कई मरीजों की मृत्यु हृदय विदारक है।

पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहन संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति और शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने लिखा, ‶एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में आग लगने से कई लोगों की मृत्यु बहुत दुखी करने वाली है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इस हादसे में कम से कम जनहानि हो। प्रभु दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं घायलों को शीघ्र स्वस्थ करें। अशोक गहलोत ने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस घटना की उच्च स्तरीय जांच करवाकर यह सुनिश्चित करे कि भविष्य में कहीं भी ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो सके। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता वसुंधरा राजे ने भी अस्पताल में आग की घटना पर दुख जताया है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, ‶जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में लगी आग की घटना अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। इस भीषण दुर्घटना में जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके प्रति मैं अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट करती हूं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध में हीलाहवाली पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- केंद्र बनाए ठोस नीति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध के अपने आदेश को प्रभावी ढंग से लागू न करने पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि सभी हितधारकों के साथ मिलकर प्रतिबंध लागू करने की एक ठोस नीति तैयार की जाए। सर्वोच्च अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि सभी हितधारकों जैसे पटाखा निर्माताओं, राज्य सरकारों और पर्यावरण विशेषज्ञों के साथ मिलकर प्रतिबंध लागू करने की एक ठोस नीति तैयार की जाए। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों (पर्यावरण-अनुकूल पटाखों) के निर्माण को सशर्त अनुमति दे दी है। बेंच ने शर्त लगाई कि ये पटाखे दिल्ली-एनसीआर में कहीं भी बेचे या इस्तेमाल नहीं किए जाएंगे। दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों की बिक्री को लेकर सुप्रीम कोर्ट अगली सुनवाई में अंतिम फैसला लेगा। मामले में अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी। इससे पहले, 12 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण को लेकर कड़ी टिप्पणी की थी। सीजेआई बीआर गवई ने कहा था कि अगर दिल्ली-एनसीआर के लोगों को स्वच्छ हवा का अधिकार है, तो दूसरे शहरों के निवासियों को क्यों नहीं? उन्होंने जोर देकर कहा था कि प्रदूषण नियंत्रण की नीतियां सिर्फ राजधानी तक सीमित नहीं रह सकतीं, बल्कि पैन-इंडिया स्तर पर लागू होनी चाहिए। सीजेआई ने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया था, ैमैं पिछले साल सर्दियों में अमृतसर गया था। वहां प्रदूषण की स्थिति दिल्ली से भी बदतर थी। अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है तो पूरे देश में लगना चाहिए।

क्या पटाखों पर बैन से दिल्ली में नहीं होगा प्रदूषण?

नई दिल्ली। जानकर हैरानी भले ही हो, लेकिन सच यही है कि बिना पटाखों के भी राष्ट्रीय राजधानी में किसी दीवाली वायु प्रदूषण कम नहीं हुआ। पटाखों के साथ भी और इनके बिना भी हर साल दीवाली और उससे अगले दिन की हवा "बहुत खराब" या "गंभीर" श्रेणी में ही रही है। पर्यावरणविदों का कहना है कि ऐसे में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध न लगाकर प्रदूषण के अन्य कारकों की रोकथाम पर भी फोकस करना चाहिए। गौरतलब है कि 2015 से लेकर 2024 तक एक दशक के आंकड़े बताते हैं कि हर साल दीवाली और उससे अगले दिन प्रदूषण के स्तर में तेजी से वृद्धि हुई। 2018 -19 से पटाखों पर भी प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन स्थितियां तब भी नहीं बदलीं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के पूर्व अपर निदेशक डॉ एसके त्यागी कहते हैं कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण की एक नहीं बल्कि कई वजह हैं। प्रदूषण की रोकथाम के लिए भी किसी एक पर नहीं, सभी पर ध्यान देना होगा। पूरे एनसीआर की एकीकृत कार्ययोजना बनानी होगी। इंडियन पल्यूशन कंट्रोल एसोसिएशन (आईपीसीए) की उप निदेशक डा राधा गोयल का कहना है कि दीवाली पर भी पटाखों से अधिक प्रदूषण वाहनों के उत्सर्जन से होता है। बड़ी संख्या में लोग खरीदारी और रिश्तेदारी में जाने के लिए निजी वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा धूल भी बड़ा फैक्टर है। उसकी रोकथाम के लिए प्रयास होने चाहिए। सेंटर फार साइंस एंड एन्वायरमेंट (सीएसई) की कार्यकारी निदेशक अनुमिता राय चौधरी का कहना है कि दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट में प्रदूषण के अन्य कारकों की रोकथाम की कार्ययोजना भी दे देनी चाहिए।

ग्रीन पटाखों से 30-35 प्रतिशत तक कम होता प्रदूषण : वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) -राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी) के विज्ञानियों के अनुसार ग्रीन पटाखे सामान्य पटाखों से बेहतर हैं क्योंकि इनका कैमिकल फार्मूला ऐसा है जिससे पानी की बूंदे निकलती हैं। इससे प्रदूषण कम होता है और धूलकणों को भी पानी की यह बूंदे दबा देती हैं। इनमें प्रदूषक तत्व नाइट्रस आक्साइड व सल्फर आक्साइड 30 से 35 प्रतिशत तक कम होते हैं। मुख्य तौर पर यह पटाखे लाइट एंड साउंड शो के जैसे हैं। इन्हें जलाने पर खुशबू भी आती है। सामान्य पटाखों की तुलना में इन पटाखों में 50 से 60 प्रतिशत तक कम एल्यूमीनियम का इस्तेमाल होता है। ग्रीन पटाखों पर हरे रंग का स्टीकर और बारकोड लगे होते हैं। हरे रंग वाले स्टिकर इस बात की पुष्टि करने के लिए हैं कि ये ग्रीन पटाखे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पितृपक्ष में पहुंचीं गयाजी पुरखों की मोक्ष प्राप्ति के लिए किया पिंडदान

गयाजी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को देश और दुनिया में मोक्ष स्थली के रूप में चर्चित बिहार के गयाजी पहुंची। यहां उन्होंने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष प्राप्ति की कामना के साथ पिंडदान किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गया अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विशेष विमान से पहुंची। इसके बाद सड़क मार्ग से विष्णुपद मंदिर पहुंची। गया हवाई अड्डा पहुंचने पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति के पिंडदान के लिए जिला प्रशासन के जरिए विष्णुपद मंदिर परिसर में ही विशेष व्यवस्था की गई थी और सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। गयापाल पुरोहित राजेश लाल कटरियाल ने वैदिक क्रियाओं के साथ कर्मकांड कराया। उन्होंने पूरे विधि विधान के साथ पिंडदान किया। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर विष्णुपद मंदिर और आसपास के इलाकों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को प्रसिद्ध व्यवसायी मुकेश अंबानी भी अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गयाजी पहुंचे थे और अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष की प्राप्ति को लेकर पिंडदान किया था। प्रत्येक वर्ष पितृपक्ष में बड़ी संख्या में श्रद्धालु सनातन धर्म की परंपराओं के अनुसार अपने पितरों के मोक्ष तथा शांति के लिए पिंडदान करने के लिए गयाजी आते हैं। यहां विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी, अक्षय वट एवं अन्य कई पवित्र स्थानों पर स्थित वेदियों पर श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की जाती है।

मान्यता है कि मृत्यु के पश्चात मनुष्य की आत्मा इस भौतिक जगत में ही विचरण करती रहती है। केवल शरीर नष्ट होता है, आत्मा अमर रहती है। यदि व्यक्ति का परिवार पिंडदान करता है, तो उस आत्मा को इस लोक से मुक्ति मिलती है और वह सदैव के लिए बंधनों से मुक्त हो जाती है। पितृपक्ष में देश-विदेश से हजारों पिंडदानी अपने पितरों की मोक्ष प्राप्ति के लिए गयाजी पहुंचते हैं। पिंडदानियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग की ओर से व्यापक तैयारी की गई है। पितृपक्ष मेला 21 सितंबर तक चलेगा।

विकास मित्रों को टैबलेट के लिए 25 हजार, परिवहन भत्ता बढ़ाया गया

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महादलित, दलित, अल्पसंख्यक और अति पिछड़ा वर्ग के उत्थान से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर चलते हुए प्रदेश सरकार समाज के वंचित वर्गों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ैन्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर चलते हुए समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए हमारी सरकार लगातार काम कर रही है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग तक सरकार की विभिन्न विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में विकास मित्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे ध्यान में रखते हुए बिहार महादलित विकास मिशन के अन्तर्गत कार्यरत प्रत्येक विकास मित्र को टैबलेट क्रय हेतु एकमुश्त 25 हजार रूपए की राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

हादसा

कफ सिरप से गई 11 बच्चों की जान मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ पर बैन

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कफ सिरप पीने से कई बच्चों की किडनी फेल होने से मौत हो गई। अब तक 11 बच्चों की जान जा चुकी है। जांच में सिरप में जहरीला केमिकल पाया गया जिसके बाद राज्य सरकार ने इसकी बिक्री पर रोक लगा दी है। इस मामले में एक्शन लेते हुए पुलिस ने छिंदवाड़ा के परसिया से डॉक्टर प्रवीण सोनी को गिरफ्तार कर लिया है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कफ सिरप के पीने से कई बच्चों की मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि दवा के सेवन से बच्चों की किडनी फेल हो गई। शनिवार को दो बच्चों की मौत के बाद इस कफ सिरप से मरने वाले नौनिहालों की संख्या 11 पहुंच गई है। इस घटना के बाद राज्य सरकार एक्शन में आई है। पीड़ितों द्वारा ली गई कफ सिरप की जांच लैब में की गई, जिसमें पाया गया कि इस सिरप में एक जहरीला केमिकल है। इस जानकारी के सामने आने के बाद मध्य प्रदेश में इस कफ सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। वहीं, राज्य के छिंदवाड़ा से इस दवा का सुझाव देने वाले चिकित्सक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

दवा लिखने वाले डॉक्टर के खिलाफ एक्शन : मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में इस कफ सिरप के कारण हुई बच्चों की मौत के बाद प्रशासन ने एक्शन लिया है। मध्य प्रदेश पुलिस ने डॉक्टर प्रवीण सोनी को छिंदवाड़ा के परासिया से गिरफ्तार किया है। डॉक्टर प्रवीण सोनी परासिया के जाने-माने बाल रोग विशेषज्ञ हैं। सर्दी और बुखार से पीड़ित बच्चों के की दवाइयों में उन्होंने कोल्ड्रिफ कफ सिरप पिलाने का सुझाव दिया था। इसी कफ सिरप के सेवन के बाद कई बच्चे बीमार गंभीर रूप से बीमार हो गए और उनकी मौत हो गई।

जांच रिपोर्ट में सामने आई ये बात : बता दें कि मध्य प्रदेश सरकार को तमिलनाडु औषधि नियंत्रण विभाग से शनिवार को एक रिपोर्ट मिली। इस रिपोर्ट में बताया गया कि जांच में जो सैंपल भेजा गया था, वह मिलावटी था। इस सिरप में 48.6 प्रतिशत डाइएथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया है। बताया जाता है कि एंटी-फ्रीज और ब्रेक फ्लूइड्स में इस्तेमाल होने वाला डीईजी, निगलने पर किडनी फेल होने से मौत होने का खतरा बना रहता है।

सिरप बनाने वाली कंपनी पर कार्रवाई के निर्देश : मध्य प्रदेश सरकार ने तमिलनाडु में श्रीशन फर्मास्युटिकल द्वारा बनाई जाने वाली कोल्ड्रिफ पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने सभी औषधि निरीक्षकों को मौजूदा स्टॉक जब्त करने, आगे की बिक्री रोकने और परीक्षण के लिए जांच के निर्देश दिए हैं।

सीएम मोहन यादव ने क्या कहा? : वहीं, मामले में मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव एक्शन में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ सिरप से हुई बच्चों की मौत दुखद है। वहीं, शनिवार को सीएम यादव ने प्रत्येक मृतक बच्चों के परिजनों को 4 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की। वहीं, राज्य सरकार ने कहा कि बीमार बच्चों के इलाज का खर्च सरकार निर्वहन करेगी।

कई राज्यों में कफ सिरप की जांच शुरू

मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप से हुई मौतों ने पूरे देश में चिंता बढ़ा दी है। कई राज्यों ने कप सिरप के जांच की घोषणा की है। इसके अलावा एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि अभी तक केंद्रीय औषधि मान नियंत्रण संगठन ने छह राज्यों में दवा निर्माण इकाइयों का जोखिम आधारित निरीक्षण शुरू किया है।

राज्य सरकार द्वारा ये निरीक्षण कफ सिरप, फीवर की दवा, एंटीबायोटिक बनाने वाली कंपनियों पर केंद्रित है। जिसके नमूने औषधि नियामक अधिकारियों ने उन क्षेत्रों से एकत्र किए, जहां से मौतें हुई हैं।

छिंदवाड़ा में सबसे अधिक मौतें

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में अगस्त के अंत में सबसे पहले मौत के मामले सामने आए। इसमें से अधिकांश मामले किडनी फेल होने के कारण हुई मौत के थे। बच्चों को शुरुआत में सर्दी और हल्का बुखार के लक्षण दिखाई दिए और उन्हें कफ सिरप और नियमित दवाओं के साथ एक नियमित इलाज दिया गया।

तमिलनाडु वाली खांसी की दवा की जांच रिपोर्ट ने बढ़ा दी टेंशन, बच्चों की मौत की केंद्र कर रहा जांच

नई दिल्ली : मध्यप्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौतों के बाद खांसी की दवाओं पर उठे सवालों के बीच जांच का दायरा और गहरा गया है। शुरुआती जांच रिपोर्टों में राहत की बात यह सामने आई थी कि दोनों राज्यों से लिए गए कफ सिरप के सैंपल्स में डाईएथिलीन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाइकॉल जैसे खतरनाक रसायन नहीं पाए गए। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, सीडीएससीओ और राज्यों की एफडीए टीमों ने मौके से सैंपल लेकर जांच की थी। सभी रिपोर्टों ने इन दवाओं को सुरक्षित बताया।

डाईएथिलीन ग्लाइकॉल की अधिक मात्रा : लेकिन अब नए घटनाक्रम में तमिलनाडु एफडीए द्वारा कांचीपुरम स्थित स्रेशन फार्मा के मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से लिए गए कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सैंपल्स की जांच में डाईएथिलीन ग्लाइकॉल निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा में पाया गया है। यह जांच मध्यप्रदेश सरकार के अनुरोध पर कराई गई थी। मध्यप्रदेश में तमिलनाडु से बने कफ सीरप की सप्लाई की गई थी। 3 अक्टूबर की देर शाम सामने आई इस रिपोर्ट ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अब छह राज्यों में 19 दवा निर्माण इकाइयों पर रिस्क बेस्ड इंस्पेक्शन शुरू कर दिया गया है। इन निरीक्षणों के जरिए यह पता लगाया जाएगा कि दवाओं की गुणवत्ता में गड़बड़ी किन कारणों से हो रही है और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए क्या कदम उठाए जाएं।

मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी : इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सतर्क रहने और बच्चों में खांसी की दवाओं का विवेकपूर्ण उपयोग करने की सलाह दी है। मंत्रालय ने एडवाइजरी में स्पष्ट किया है कि दो साल से छोटे बच्चों को किसी भी प्रकार का कफ सिरप बिल्कुल नहीं दिया जाना चाहिए।

वहीं पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए भी सामान्य रूप से इन दवाओं की सिफारिश नहीं की जाती। विशेषज्ञों का कहना है कि अधिकांश मामलों में बच्चों की खांसी बिना दवा के भी ठीक हो जाती है, इसलिए पानी, आराम और सहायक उपचार को प्राथमिकता देना चाहिए।

तमिलनाडु की रिपोर्ट से बढ़ी चिंता : फिलहाल मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम मौतों के पीछे की असली वजह तलाशने में जुटी हुई है। टीम में आईसीएमआर, एनआईवी, नीरी, सीडीएससीओ और एम्स नागपुर के विशेषज्ञ शामिल हैं। टीम विभिन्न सैंपल और कारणों की जांच कर रही है ताकि यह साफ हो सके कि बच्चों की मौत दवा से जुड़ी है या किसी अन्य संक्रमण और पर्यावरणीय कारणों से हुई है।

कुल मिलाकर जहां मध्यप्रदेश से मिली जांच रिपोर्टों ने कुछ हद तक राहत दी है। वहीं, तमिलनाडु की रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है और अब आगे की जांच पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

छिंदवाड़ा कफ सिरप मामले में बड़ा खुलासा, जहरीले स्तर पर मिला 'डायएथिलीन ग्लाइकोल'

भोपाल। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ कफ सिरप को लेकर सामने आई हालिया जांच रिपोर्ट ने कई चिंताएं बढ़ा दी हैं। औषधि एवं खाद्य नियंत्रक दिनेश मौर्य ने इस मामले में बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि छिंदवाड़ा में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के संबंध में जिन सिरप और दवाओं की शिकायतें मिली थीं, उन सभी के नमूने लिए गए। इनमें से कुछ की जांच रिपोर्ट आ चुकी है, जबकि कुछ की जांच अभी भी जारी है। खासकर जिस कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बात हो रही है, वह तमिलनाडु में बनाया गया था। जांच में यह पाया गया है कि इस कफ सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा निर्धारित सीमा से बहुत अधिक है। सामान्य तौर पर कफ सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा 0.10 प्रतिशत तक होनी चाहिए, मगर जांच में यह मात्रा 48 प्रतिशत पाई गई है, जो कि मानक से लगभग 480 गुना ज्यादा है।

डायएथिलीन ग्लाइकोल एक विषैला पदार्थ है, जिसकी अधिक मात्रा से शरीर में गंभीर नुकसान हो सकता है। इस कारण कोल्ड्रिफ कफ सिरप को कंटामिनटेड घोषित कर दिया गया है और इस पर बैन लगा दिया गया है। इसके साथ ही, मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ के सभी प्रोडक्ट्स की बिक्री पूरी तरह से रोक दी गई है।

वहीं, एक और कफ सिरप 'नेक्सट्रो डीएस' की भी जांच जारी है। इसकी जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इस पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच पूरी होने तक इस सिरप को प्रिस्क्राइब करने पर भी रोक लगा दी गई है। औषधि एवं खाद्य नियंत्रक दिनेश मौर्य ने जनता से अपील की है कि वे बिना जांच और डॉक्टर की सलाह के किसी भी कफ सिरप का सेवन न करें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सभी दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी तरह सतर्क है और इस मामले में जल्द से जल्द दोषियों को पकड़कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस घटना को गंभीरता से लिया जा रहा है और इस तरह के घातक उत्पादों को बाजार से हटाने के लिए कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी ताकि जनता की सेहत सुरक्षित रहे।

बिहार में चुनावी समर का महाआगाज
2 चरणों में होगा मतदान

बिहार की 243 सीटों के लिए नामांकन, वोटिंग और रिजल्ट की तारीखों का ऐलान सोमवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार ने किया. राज्य में चुनाव 2 फेज में संपन्न होंगे. चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही बिहार में आचार संहिता लागू हो गया है. 4 और 5 अक्टूबर को चुनाव आयोग की टीम ने बिहार का दौरा किया था और उम्मीद लगाई जा रही थी कि जल्द चुनाव की तारीखों का ऐलान होगा.

कब होगा बिहार चुनाव : मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि बिहार विधानसभा का चुनाव को लेकर मतदान 6 और 11 नवंबर को होगा. रिजल्ट 14 नवम्बर को आएगा.

किस उम्र वर्ग के कितने वोटर : निर्वाचन आयोग के 30 सितंबर 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार बिहार में कुल 7.43 करोड़ मतदाता हैं. इस मतदाता सूची में 3.92 करोड़ पुरुष और 3.50 करोड़ महिलाएं शामिल हैं. 1725 ट्रांसजेंडर भी मतदान कर सकेंगे. बिहार में 20-29 वर्ष के 1.63 करोड़ युवा मतदाता हैं. इनमें से 14.01 लाख नागरिक ऐसे हैं जो पहली बार वोट देंगे. लोकतंत्र में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 7.2 लाख दिव्यांग मतदाता और 4.04 लाख वरिष्ठ नागरिक भी सूची में शामिल हैं. इनके लिए वोटिंग सेंटर पर सुविधा दी जाएगी.

बिहार विधानसभा का मौजूदा समीकरण : बिहार विधानसभा में बीजेपी 79 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है. मुख्य विपक्षी दल राजद के पास 77, जदयू के पास 45, कांग्रेस के पास 19, माले के पास 11, हम के पास 4, AIMIM के पास 1, भाकपा के पास 2, माकपा के पास 2, और 1 निर्दलीय विधायक है.

1350 मॉडल वोटिंग सेंटर बनाये जायेंगे : CEC ने बताया कि बिहार में कुल 90712 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं. हर केंद्र पर औसतन 818 मतदाता पंजीकृत हैं. इनमें से 76801 केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में और 13911 केंद्र शहरी इलाकों में है. सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है ताकि मतदान प्रक्रिया पर पूरी निगरानी रखी जा सके. इसके अलावा, मतदाताओं को बेहतर अनुभव देने के लिए 1350 मॉडल मतदान केंद्र भी बनाए जायेंगे.

मोबाइल साथ ले जाने वालों के लिए क्या नियम : मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि अब मतदाता अपने मोबाइल फोन मतदान केंद्र तक ले जा सकेंगे. मतदान कक्ष में प्रवेश से पहले मोबाइल बाहर जमा कराना अनिवार्य होगा. इसके लिए प्रत्येक बूथ पर मोबाइल रखने की व्यवस्था की जाएगी. मतदान पूरा करने के बाद मतदाता अपना मोबाइल वापस प्राप्त कर सकेंगे.

बिहार चुनाव को लेकर क्या-क्या नया

- वोटर बूथ के अंदर मोबाइल फोन ले जा सकेंगे, लेकिन मतदान कक्ष में जाने से पहले जमा करना होगा.
- एक बूथ पर अधिकतम 1200 वोटर होंगे. इस पहल से वोट के लिए लोगों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा.
- 100 प्रतिशत बूथ पर वेब कास्टिंग. पहले 50 से 60 प्रतिशत बूथ पर ही वोटिंग प्रक्रिया की लाइव विडियो स्ट्रीमिंग होती थी.
- EVM में उम्मीदवारों की कलर फोटो होगी. पहले ब्लैक एंड वाइट फोटो से उम्मीदवारों की पहचान में दिक्कत होती थी.
- इस बार बड़े अक्षरों में वोटर स्लिप होगी. पोलिंग बूथ का नाम और पता भी बोल्ड फॉन्ट में लिखा होगा.
- पोलिंग बूथ से 100 मीटर की दूरी पर हर उम्मीदवार अपने एजेंट को लगा सकते हैं.
- बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) जब आए तो वोटर पहचान पाएं, इसके लिए उनके भी ID कार्ड शुरू किए गए हैं.
- पोस्टल बैलेट की गिनती EVM के आखिरी दो राउंड से पहले पूरी होगी.
- चुनाव समाप्त होने के तुरंत बाद कुल वोटर्स की संख्या और वोटिंग टर्नआउट की आधिकारिक घोषणा की जाएगी.
- पोस्टल बैलेट की गिनती प्रक्रिया को सरल किया
- डिजिटल इंडेक्स कार्ड एवं रिपोर्ट
- 15 दिनों में ईपिक नंबर मिलेगा

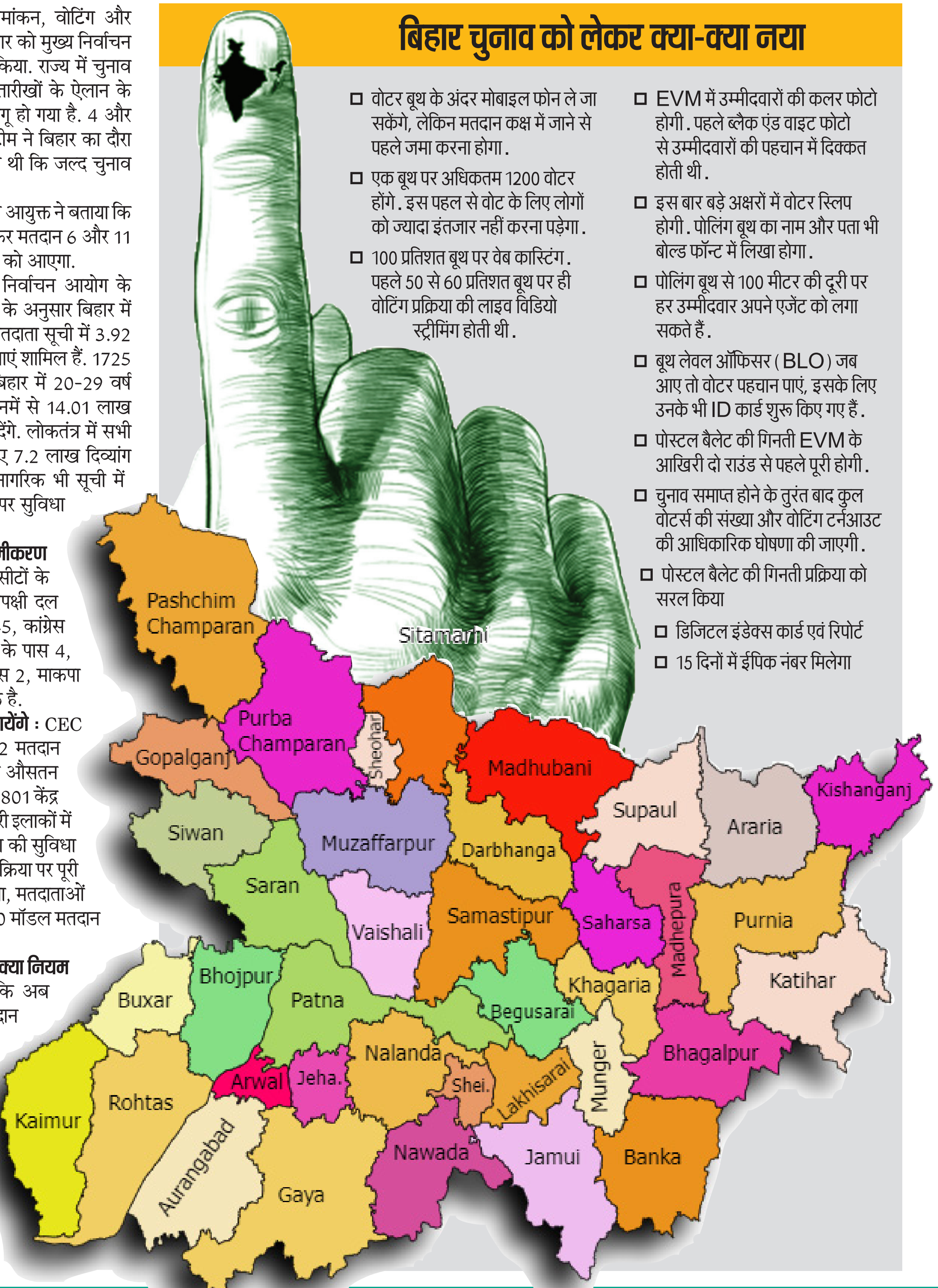

मुख्यमंत्री नीतीश ने किया पटना मेट्रो परिचालन का उद्घाटन

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव के पहले पटना के लोगों को सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना मेट्रो के तहत भूतनाथ से न्यू आईएसबीटी तक पहले फेज मेट्रो के परिचालन का उद्घाटन किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी मौजूद रहे। बताया गया कि फिलहाल यह मेट्रो सेवा 4.3 किलोमीटर के रूट पर चलेगी, जो तीन स्टेशनों आईएसबीटी, जीरो माइल और भूतनाथ रोड के बीच संचालित होगी। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी मेट्रो की सवारी की। मेट्रो की शुरुआत के बाद राजधानीवासियों ने प्रसन्नता जताई है। लोग मेट्रो की पहली झलक देखने को लेकर उत्साहित दिखे।

मेट्रो के कोच को मधुबनी पेंटिंग से खास तौर पर सजाया गया है, जो बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है। कोचों में गेट, खिड़कियों और अंदरूनी हिस्सों पर बिहार के विश्व प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के आकर्षक स्टिकर लगाए गए हैं। शुरुआत में मेट्रो की अधिकतम गति 40 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।

बताया गया कि आईएसबीटी से जीरो माइल का किराया 15 रुपए होगा, वहीं न्यू आईएसबीटी से भूतनाथ मेट्रो स्टेशन का किराया 30 रुपए निर्धारित किया गया है। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर मेट्रो कोच में 360-डिग्री सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मेट्रो कोच में मोबाइल और लैपटॉप चार्जिंग की सुविधा भी होगी। प्रत्येक कोच में सभी दरवाजों के पास एक लाल रंग का पैनिक बटन दिया गया है।

कोच के अंदर डिस्प्ले बोर्ड पर अगले स्टेशन की जानकारी और घोषणाएं लगातार चलती रहेंगी। फिलहाल इसका परिचालन सुबह आठ बजे से रात 10 बजे तक किया जाएगा। हर 20 मिनट के अंतराल पर प्रत्येक स्टेशन पर मेट्रो उपलब्ध होगी। प्रतिदिन मेट्रो 40 से 42 फेरे लगाएगी। महिलाओं और दिव्यांगों के लिए प्रत्येक ट्रेन में 12-12 सीटें आरक्षित होंगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कॉरिडोर वन के तहत पटना जंक्शन सहित छह भूमिगत मेट्रो स्टेशनों और 9.35 किलोमीटर लंबी सुरंग की आधारशिला भी रखी। इस दौरान उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच पहली ईंट रखी। इसका निर्माण कार्य अगले 42 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य है।

एक था आरोग्यंम भाग : 05

प्रदीप डीडवानिया एवं ऋतु अग्रवाल के म्यूटेशन जांच का विषय

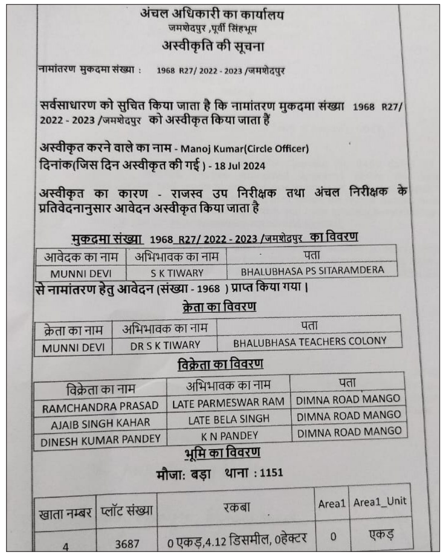

अंचल अधिकारी का कार्यालय
जमशेदपुर ,पूर्वी सिंहभूम
अस्वीकृति की सूचना

नामांतरण मुकदमा संख्या : 1968 R27/ 2022 - 2023 /जमशेदपुर

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि नामांतरण मुकदमा संख्या 1968 R27/ 2022 - 2023 /जमशेदपुर को अस्वीकृत किया जाता हैं

अस्वीकृत करने वाले का नाम - Manoj Kumar(Circle Officer)
दिनांक(जिस दिन अस्वीकृत की गई) - 18 Jul 2024

अस्वीकृत का कारण - राजस्व उप निरीक्षक तथा अंचल निरीक्षक के प्रतिवेदनानुसार आवेदन अस्वीकृत किया जाता है

मुकदमा संख्या 1968 R27/ 2022 - 2023 /जमशेदपुर का विवरण

आवेदक का नाम	अभिभावक का नाम	पता
MUNNI DEVI	S K TIWARY	BHALUBHASA PS SITARAMDERA

से नामांतरण हेतु आवेदन (संख्या - 1968) प्राप्त किया गया।

क्रेता का विवरण

क्रेता का नाम	अभिभावक का नाम	पता
MUNNI DEVI	DR S K TIWARY	BHALUBHASA TEACHERS COLONY

विक्रेता का विवरण

विक्रेता का नाम	अभिभावक का नाम	पता
RAMCHANDRA PRASAD	LATE PARMESWAR RAM	DIMNA ROAD MANGO
AJAIB SINGH KAHAR	LATE BELA SINGH	DIMNA ROAD MANGO
DINESH KUMAR PANDEY	K N PANDEY	DIMNA ROAD MANGO

भूमि का विवरण

मौजा: बड़ा थाना : 1151

खाता नम्बर	प्लॉट संख्या	रकबा	Area1	Area1_Unit
4	3687	0 एकड़,4.12 डिसमील, 0हेक्टर	0	एकड़

देवानंद सिंह

जमशेदपुर। डॉ हरि प्रसाद के द्वारा प्रमंडलीय आयुक्त को एक आवेदन देकर CNT Act की ज़मीन की रजिस्ट्री प्रदीप कुमार डीडवानिया एवं ऋतु अग्रवाल का कैंसिल करने एवं म्यूटेशन पर रोक लगने की अपील की गई थी जिसे प्रमंडलीय आयुक्त के कार्यालय के पत्रांक संख्या 1187 दिनांक 26 सितंबर 2023 एवं पत्रांक 176 दिनांक 06 मार्च 2025 को उपायुक्त कार्यालय जमशेदपुर को भेजा गया है, फिर भी अंचल अधिकारी के द्वारा CNT Act की ज़मीन को प्रदीप कुमार डीडवानिया एवं ऋतु अग्रवाल को म्यूटेशन कर दिया गया, जो की जांच का विषय है। मुन्नी देवी के द्वारा म्यूटेशन मुकदमा संख्या 1968 R27/2022–2023/जमशेदपुर को दिनांक 16 मार्च 2023 एवं 18 जुलाई 2024 को यह बोलते हुए कि CNT Act जमीन है और म्यूटेशन का अस्वीकृत कर दिया गया। तो प्रदीप कुमार डीडवानिया एवं ऋतु अग्रवाल को किस ग्राउंड के तहत म्यूटेशन केस नंबर 2440/2024–2025 के तहत म्यूटेशन कैसे कर दिया गया, यह जांच का विषय है। दूसरी तरफ बिल्डिंग का दूसरा फ्लोर तक ही बैंक ऑफ बड़ौदा मे मॉर्गेज है, तो तृतीय फ्लोर को बैंक के द्वारा प्रदीप कुमार डीडवानिया एवं ऋतु अग्रवाल को हैंडओवर कैसे किया गया ? डॉक्टर हरि प्रसाद के द्वारा दिनांक 17 मार्च 2025 को अंचल अधिकारी,LRDC,SDO एवं उपायुक्त जमशेदपुर को एक आवेदन दिया गया था जिसमे CNT act की जमीन का म्यूटेशन रोकने की अपील की गई थी । जिसे अनुमंडल पदाधिकारी जमशेदपुर के द्वारा पत्रांक 822 दिनांक 05 जून 2025 के तहत अपने कार्यालय मे 06 जून 2025 को अंचल अधिकारी के उपस्थिती मे दोनों पक्षों को को बुलाकर दोनो का पक्ष सुना गया, तो डॉक्टर हरि प्रसाद ने बताया कि CNT act का ज़मीन को आप कैसे म्यूटेशन कर सकते है एवं बैंक को दूसरे फ्लोर तक मॉर्गेज है तो तृतीय फ्लोर कैसे आप ले लिए है, जबकि तृतीय फ्लोर के लिए बिल्डर के साथ मामला कोर्ट मे लम्बित है और यह भी जांच का विषय है। सवेरा बाज़ार की निवेदिता सिंह के द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा को RTGS के द्वारा 20 नवंबर 2017 को पांच लाख आरोग्यम के सी सी अकाउंट मे डाला जाता है इसके बाद बैंक ने कितने रुपए किराए के रुप मे लिए है यह भी जांच का विषय हैं।

सिदगोड़ा का आरोग्यम अस्पताल

पावर, पैरवी और पैसों का खेल!

धोखाधड़ी

एक था आरोग्यंम भाग : 06

म्यूटेशन और नीलामी में अनियमितताओं की परतें उजागर

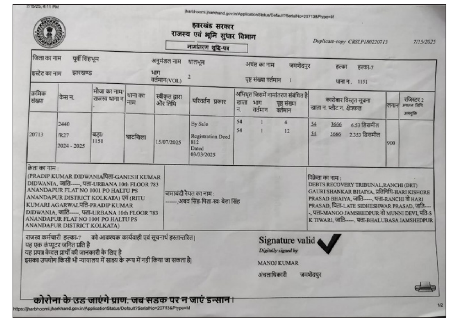

Signature valid
Digitally signed by
MANOJ KUMAR
अंचलाधिकारी जमशेदपुर
कोरोना के उड जाएंगे प्राण. जब सडक पर न जाएं इन्सान।

□ प्रदीप कुमार डीडवानिया एवं ऋतु अग्रवाल की म्यूटेशन मे हेरा फेरी तस्वीर झूठ नहीं

देवानंद सिंह

जमशेदपुर। आरोग्यंम अस्पताल मामला जैसे-जैसे खुलता गया, परत दर परत चौंकाने वाले खेल सामने आते गए। तीन परिवार की साझेदारी में संचालित यह अस्पताल, बैंक से लिए गए कर्ज को चुकाने में असमर्थ होने के कारण नीलाम हुआ। नीलामी प्रक्रिया में अस्पताल प्रबंधन, और बैंक के बीच विवादों और आपसी खींचतान के चलते कई अनियमितताएं सामने आईं। प्रदिप कुमार डीडवानिया और ऋतु अग्रवाल की म्यूटेशन में हुई हेराफेरी ने अस्पताल को सुर्खियों में ला दिया। पैसा, पावर और पैरवी के बल पर हुई इन अनियमितताओं ने नियमों की धज्जियां उड़ा दीं, जिससे यह मामला चर्चा का विषय बन गया।

मोटेशन के इस कड़ी में आईए जानते हैं पैसा पावर और पैरवी की बदौलत किस तरह हुए कई तरह के अनियमितताएं : मुन्नी देवी के ज़मीन के रजिस्ट्री मे मौजा बड़ा थाना नंबर 1151 वॉर्ड नंबर 11 ओल्ड प्लाट नंबर 3666 ओल्ड खाता नंबर 54 न्यू प्लाट नंबर 3001/3687 अंडर न्यू खाता नंबर 04 PS सिदगोड़ा के तहत रजिस्ट्री की गई है, जो की बैंक ऑफ बड़ौदा मे मॉर्गेज थी। मुन्नी देवी के म्यूटेशन मे अंचल अधिकारी मनोज कुमार के द्वारा म्यूटेशन नामांतरण मुकदमा संख्या 1968/R27/2022–2023 जमशेदपुर दिनांक 18 जुलाई 2024 को अस्वीकृत किया गया।,यह कहते हुए की न्यू खाता नंबर 04 न्यू प्लाट नंबर 3687 मौजा बड़ा थाना 1151 CNT एक्ट की जमीन है। इसी जमीन को प्रदीप कुमार डीडवानिया और ऋतु अग्रवाल ने DRT रांची एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के गौरी शंकर भैया के द्वारा नीलामी मे खरीदा है, तो इस जमीन का म्यूटेशन नामांतरण मुकदमा संख्या 2440R27/2024–2025 जमशेदपुर को 28 अप्रैल 2025 मे मिंटू प्रसाद कर्मचारी के द्वारा आपत्ति दर्ज की गई थी। जिसे अंचल अधिकारी मनोज कुमार के द्वारा दिनांक 15/07/2025 को ओल्ड खाता नंबर 54 ओल्ड प्लाट नंबर 3666 मौजा बड़ा थाना 1151 के तहत 6.53 डिसमिल का म्यूटेशन कर दिया गया। जो की यह जांच का विषय है और इससे साफ पता चलता है की क्या ओल्ड खाता एवं ओल्ड प्लाट नंबर CNT एक्ट मे नहीं आती है ?

वांगचुक ने तोड़ा अनशन, बाहरी साजिश का आरोप, लेह में कर्फ्यू

लद्दाख में चार की मौत, 80 से अधिक घायल

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर बुधवार को यहां जारी आंदोलन हिंसक हो गया. इस दौरान सड़कों पर आगजनी और झड़पें हुईं, जिसमें चार लोगों की मौत हो गयी और 22 पुलिसकर्मियों समेत 80 से अधिक लोग घायल हो गये. लेह में कर्फ्यू लगा दिया गया है. वहीं, स्थानीय लोगों ने इसमें बाहरी साजिश का हाथ बताया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यालय में आग लगा दी. प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों में आग लगा दी. वहीं, जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 15 दिन से जारी अपनी भूख हड़ताल बुधवार को समाप्त कर दी. वांगचुक ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन किया व कहा कि मैं लद्दाख के युवाओं से हिंसा तुरंत रोकने का अनुरोध करता हूं. हम लद्दाख और देश में अस्थिरता नहीं चाहते. सुबह की शुरुआत लद्दाख की राजधानी में पूर्ण बंद के साथ हुई. सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आये. भाजपा कार्यालय में तोड़फोड़ की गयी और कई वाहनों को आग लगा दी गयी.

कांग्रेस नेता पर प्राथमिकी दर्ज : कांग्रेस नेता व पार्षद फुंटसोग स्टैनजिन त्सेपाग पर धरना स्थल पर कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने के लिए मामला दर्ज किया गया. लेह एपेक्स बॉडी की युवा शाखा ने विरोध प्रदर्शन और बंद का आह्वान किया था, क्योंकि 10 सितंबर से 35 दिन की भूख हड़ताल पर बैठे 15 लोगों में से दो की हालत मंगलवार शाम बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

वांगचुक के भड़काऊ भाषण से भीड़ उग्र हुई : गृह मंत्रालय : गृह मंत्रालय की ओर से बयान जारी कर कहा गया है कि सोनम वांगचुक ने अपने भड़काऊ बयानों के माध्यम से भीड़ को उकसाया था. संयोगवश, इस हिंसक घटनाक्रम के बीच उन्होंने अपना उपवास तोड़ दिया और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कोई गंभीर प्रयास किये बिना एंबुलेंस से अपने गांव चले गये.

भाजपा का आरोप : लेह में हिंसा कांग्रेस की साजिश का हिस्सा : भाजपा ने आरोप लगाया कि लद्दाख में हुई हिंसा कांग्रेस की नापाक साजिश का हिस्सा है. भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि आज लद्दाख में कुछ विरोध प्रदर्शनों को जेन जी के नेतृत्व वाले प्रदर्शन के रूप में दिखाने का प्रयास किया गया, परजांच में पाया गया कि यह कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन था.

कैसे हीरो से विलेन बन गए सोनम वांगचुक? एक कांड से सब तबाह होने की कहानी

लद्दाख के लेह में बुधवार को भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत और 80 से अधिक लोगों के घायल होने की घटना के बाद पूरे देश की नजर एक शख्स पर टिकी है. उस शख्स का नाम है- सोनम वांगचुक. सोनम वांगचुक के नेतृत्व में ही लेह में लंबे समय से आंदोलन चल रहा है. उनकी मांगों को लेकर केंद्र सरकार और उनके बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है. बातचीत अब भी जारी है. इस बीच वांगचुक पिछले करीब 15 दिनों से एक बार फिर भूख हड़ताल पर थे. बुधवार को उनकी भूख हड़ताल सभा से युवा आक्रोशित हुए और फिर जिले में हिंसा भड़क गई. युवाओं ने स्थानीय भाजपा कार्यालय और पुलिस बल पर हमला किया. भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस गोली चलाने पर मजबूर हुई. लंबे समय से अहिंसक आंदोलन चला रहे सोनम वांगचुक इस घटना के बाद सवालों से घिरते जा रहे हैं. इस एक घटना ने उनकी छवि एक हीरो से एक विलेन की बना दी है.

कौन हैं सोनम वांगचुक : सोनम वांगचुक लद्दाख के जाने माने इंजीनियर, शिक्षाविद् और पर्यावरण कार्यकर्ता हैं. उनका जन्म 1966 में लद्दाख में ही हुआ था. मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त करने के बाद उन्होंने 1988 में स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीएमओएल) की स्थापना की, जो लद्दाखी छात्रों की शिक्षा क्रांति का प्रतीक बनी. तीन दशकों से अधिक समय से शिक्षा सुधार में सक्रिय वांगचुक ने पारंपरिक शिक्षा प्रणाली को चुनौती दी और आइस स्टूपा जैसी नवीन तकनीकों से जल संरक्षण में योगदान दिया. बॉलीवुड फिल्म '3 इडियट्स' के चरित्र फुंसुख वांगड़ू का वे वास्तविक जीवन में प्रेरणा स्रोत हैं, जो उनकी सादगी और इनोवेशन को दर्शाता है. पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका ने उन्हें वैश्विक मंचों पर पहचान दिलाई. वे अंतरर्राष्ट्रीय मंचों पर जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर बोलते हैं. लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर वे आंदोलन चल रहे हैं. वह इसको लिए कई बार अनशन पर बैठ चुके हैं. वांगचुक का दावा है कि उनका यह संघर्ष लद्दाख की सांस्कृतिक पहचान और पर्यावरण संरक्षण के लिए है, जो युवाओं को प्रेरित करता है.

सोनम वांगचुक की प्रमुख मांगें

- पूर्ण राज्य का दर्जा- सोनम वांगचुक अपने आंदोलन के माध्यम से लद्दाख के लिए तीन प्रमुख मांगें की हैं. उनकी सबसे अहम मांगे लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा है. वांगचुक और उनके समर्थक लद्दाख को जम्मू-कश्मीर से अलग कर एक अलग राज्य बनाने की मांग कर रहे हैं. उनका तर्क है कि 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद लद्दाख की सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान खतरे में है.
- छठी अनुसूची में शामिल करना- लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत विशेष दर्जा देने की मांग है, जो आदिवासी क्षेत्रों को स्वायत्तता प्रदान करती है. इससे स्थानीय विधानसभाओं और चुनी हुई परिषदों का गठन संभव होगा, जो भूमि, नौकरियां और पर्यावरण संरक्षण पर नियंत्रण देगी.
- भूमि, नौकरी और पर्यावरण संरक्षण- वे स्थानीय निवासियों के लिए भूमि और नौकरियों की सुरक्षा तथा हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा की मांग कर रहे हैं. वांगचुक का कहना है कि बाहरी निवेश से स्थानीय संस्कृति नष्ट हो रही है.

सोनम वांगचुक के संगठन का एफसीआरए रजिस्ट्रेशन रद्द

लद्दाख में बुधवार को भड़की हिंसा के मामले में जांच विदेशी फंडिंग और बाहरी हस्तक्षेप तक पहुंच गयी है. सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल और राज्य के दर्जे की मांग के बीच हुई इस अशांति को अब केंद्र सरकार और एजेंसियां सुनियोजित साजिश मान रही हैं. हिंसा में चार लोगों की मौत और 80 से अधिक घायल हुए, जबकि 50 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया. पुलिस ने पुष्टि की कि घायलों में तीन नेपाली नागरिक भी हैं. स्थिति काबू में रखने के लिए फिलहाल कर्फ्यू लागू है. इस बीच, सीबीआइ ने वांगचुक द्वारा स्थापित हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स लद्दाख (एचआइएएल) की 2022-24 की फंडिंग जांच शुरू की है और टीम अब भी लद्दाख में मौजूद है. वहीं, गृह मंत्रालय ने वांगचुक की संस्था स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख का एफसीआरए लाइसेंस तत्काल रद्द कर दिया. मंत्रालय ने स्वीडन से आये फंड और 2021-22 के लेनदेन में पायी गयी कई अनियमितताओं को राष्ट्रीय हित के खिलाफ करार दिया.

बरेली। शहर में जुमे की नमाज के बाद 'आई लव मोहम्मद' विवाद के चलते तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। शुक्रवार को तीन प्रमुख इलाकों में भारी भीड़ सड़कों पर उतर आई और हालात पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो गए। भीड़ ने धार्मिक नारेबाजी की और पथराव किया। कुछ लोग छतों से पत्थर भी फेंकने लगे। स्थिति बिगड़ते ही पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागकर काबू पाने की कोशिश की। इस कार्रवाई के दौरान भगदड़ मच गई और कई लोग घायल हुए। बवाल केवल इस्लामिया ग्राउंड तक सीमित नहीं रहा। बारादरी और प्रेमनगर क्षेत्र में भी हिंसक झड़पें हुईं। प्रशासन ने बाजार बंद कर दिए और शहर में भारी पुलिस बल तैनात किया। डीआईजी रेंज बरेली अजय कुमार साहनी, डीएम अविनाश सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। कुल 3700 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जबकि आसपास के 9 जिलों से अतिरिक्त फोर्स भी मंगवाई गई है। पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा को हिरासत में ले लिया है। तौकीर रजा इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (IMC) के अध्यक्ष हैं और उनके खिलाफ 2010 में बरेली में दंगा भड़काने का आरोप भी कोर्ट में विचाराधीन है। अधिकारी लोगों से घरों में रहने की सलाह दे रहे हैं और ड्रोन व पैरामिलिट्री फोर्स संवेदनशील इलाकों में निगरानी कर रही हैं। हालात फिलहाल तनावपूर्ण हैं और प्रशासन लगातार स्थिति पर नियंत्रण बनाने में जुटा हुआ है।

क्या है आई लव मोहम्मद विवाद ?

इस विवाद की शुरुआत कानपुर से हुई, जहां बारावफात के जुलूस के दौरान ‘आई लव मोहम्मद’ पोस्टर लगाने को लेकर हंगामा मच गया था. पुलिस ने भीड़ द्वारा की गई तोड़फोड़ के आरोप में एफआईआर दर्ज की, जिसके बाद मुस्लिम समुदाय ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए. यह मामला तेजी से आगरा, वाराणसी, लखनऊ, मेरठ, बरेली, सीतापुर और प्रयागराज जैसे शहरों तक फैल गया, जिससे सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया. आगरा के फतेहपुर सीकरी में शाही जामा मस्जिद के बाहर नमाज के बाद प्रदर्शनकारियों ने एफआईआर रद्द करने की मांग की, लेकिन पुलिस ने शांति बनाए रखने के लिए सतर्कता बरती. ‘आई लव मोहम्मद’ मामले में तौकीर रजा ने कहा था कि सरकार के पास एक हफ्ते का समय है. इसके बाद हम सड़कों पर प्रदर्शन के लिए उतर आएंगे. इसके अलावा, रजा ने कहा था कि श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल की कुल आबाद मिला लें, तो भी भारत में मुस्लिमों की आबादी की तुलना नहीं कर पाएंगे. अगर मुसलमान सड़कों पर आ गया तो सरकार मानने को मजबूर हो जाएगी.

विवाद

बरेली में ‘I love Muhammad’ विवाद

जुमे की नमाज के बाद बवाल, पथराव व लाठीचार्ज

कौन हैं मौलाना तौकीर रजा खान जिनके एक ऐलान से बरेली में हुआ हंगामा

बरेली में आज हुए बवाल के पीछे एक नाम जोरो-शोरों से है. वो हैं मौलाना तौकीर रजा खान. उनके एक ऐलान शहर की शांति व्यवस्था चौपट करके रख दी. आइए जानते हैं आखिर कौन हैं तौकीर रजा खान. यूपी का बरेली जिला सुर्खियों में छाया हुआ है. वजह है ‘आई लव मोहम्मद’ विवाद. इस विवाद को तूल देने का काम मौलाना तौकीर रजा खान ने किया. उन्होंने आई लव मोहम्मद के मामले में हुई कार्रवाई का विरोध करते हुए सड़कों पर उतरने का ऐलान किया था. पुलिस ने बढ़ते तनाव को देखते हुए शुक्रवार को जुमे की नमाज को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए हाई अलर्ट जारी कर दिया था. फिर भी जुमे की नमाज के बाद हंगामा शुरू हो गया. भीड़ बेकाबू हो गई. हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा. मुस्लिम लोग पोस्टर-बैनर लेकर सड़कों पर उतर आए. जानकारी के मुताबिक पुलिस ने भीड़ को काफी समझाने की कोशिश की लेकिन भीड़ में शामिल लोग नहीं माने. प्रदर्शनकारी बैरिकेड को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे जिसके बाद पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा. अब सवाल उठता है कि जिस शख्स ने इन लोगों को इकट्ठा किया वो कहां था इस विरोध प्रदर्शन के दौरान? आखिर कौन हैं मौलाना तौकीर रजा खान आइए जानते हैं.

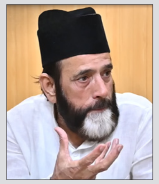

आईएमसी से नाता : तौकीर रजा खान उत्तर प्रदेश के बरेली के एक मुस्लिम नेता और मौलाना हैं. इसके साथ ही वह अहमद रजा खान के परपोते भी हैं, जो बरेलवी आंदोलन के संस्थापक थे. रजा खुद को मुस्लिमों का एक बड़ा पैरोकार मानते हैं. वह इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (IMC) के अध्यक्ष हैं. उन पर साल 2010 में बरेली में दंगे करवाने का आरोप भी है, जिसका मामला अब भी कोर्ट में लंबित है.

पहले इसलिए रहे सुर्खियों में : ऐसा नहीं है कि तौकीर रजा खान पहली बार विवाद के कारण चर्चाओं में आए हैं. उनका विवादों से पुराना नाता है. इससे पहले भी वह कई बार अपने समर्थकों को भड़काकर देश में विरोध प्रदर्शन करवा चुके हैं.

राष्ट्र संवाद

आपका राष्ट्र, आपका संवाद

राष्ट्र संवाद मासिक, वेब पोर्टल, साप्ताहिक और दैनिक अखबार के लिए एक अनुभवी महिला/पुरुष की आवश्यकता है। जिन्हें हिंदी-अंग्रेजी में टाइपिंग, बोलने व लिखने का अनुभव हो तथा जिन्हें वीडियो एडिटिंग की भी जानकारी हो। इच्छुक उम्मीदवार इस नंबर पर संपर्क करें या हमें मेल करें।

:: संपर्क ::

9431977839

9102339999

ईमेल : rashtrasamvadgroud@gmail.com

सरकार बनी, तो 20 माह में हर घर में एक सरकारी जॉब : तेजस्वी यादव

पटना । राजद नेता तेजस्वी यादव ने आचार संहिता प्रभावी होने के बाद पहली घोषणा करते हुए कहा कि बिहार में जिस भी परिवार के पास अभी सरकारी नौकरी नहीं है. ऐसे हर परिवारों को सरकार बनने के बाद एक नया अधिनियम बनाकर अनिवार्य रूप से नौकरी दी जायेगी. उन्होंने कहा कि सरकार बनने के 20 दिन के अंदर इसके लिए अधिनियम बनायेंगे. इसके बाद 20 माह के अंदर बिहार में ऐसा कोई घर नहीं बचेगा, जिसके पास सरकारी नौकरी नहीं होगी. इस तरह उन्होंने साफ किया कि राज्य के हर परिवार में कम से कम एक सदस्य को सरकारी नौकरी सुनिश्चित करने के लिए कानून लाया जायेगा. उन्होंने यह घोषणा गुरुवार को पोलो रोड स्थित अपने सरकारी आवास पर बुलायी प्रेस कॉन्फ्रेंस में की है. उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार 20 साल में युवाओं को रोजगार देने में असफल रहा. इसलिए उसे बेरोजगारी भत्ता देने की बात कहनी पड़ रही है, लेकिन मेरी सरकार लोगों को नौकरी देगी.

एनडीए सरकार को घेरा : नहीं मिला आवास, पानी व राशन : तेजस्वी ने कहा कि बिहार में अब नौकरी का नव-जागरण होगा. 20 साल की एनडीए सरकार पक्का आवास, सस्ता राशन और हर घर स्वच्छ पानी नहीं पहुंचा पायी. जबकि हमारी सरकार में ही सात निश्चय कार्यक्रम के तहत हर घर नल का जल योजना शुरू की गयी थी, लेकिन वह भी एनडीए सरकार में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी. संवाददाता सम्मेलन में मंगनी लाल मंडल, अब्दुल बारी सिद्दीकी, पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता, आदि उपस्थित रहे.

दो-चार लोग नहीं, अब पूरा बिहार सरकार चलायेगा : तेजस्वी : तेजस्वी ने कहा कि 20 साल में हर घर में असुरक्षा और बेरोजगारी का 'खौफ' दिया, अब हम हर घर को जॉब देंगे. जॉब को उन्होंने 'जश्न ऑफ बिहार' कहा. कहा कि अब दो चार लोग नहीं, अब पूरा बिहार सरकार चलायेगा. इस दौरान उन्होंने कुछ खास लाइनों से तुकबंदी भी की. वह इस प्रकार थी- ''हो सरकार में भागीदारी, हर युवा की हो हिस्सेदारी. इसलिए तेजस्वी सरकार देगी, हर परिवार को नौकरी सरकारी.''उन्होंने जोर देकर कहा कि मेरा कर्म बिहार है और मेरा धर्म बिहारी. उन्होंने कहा कि मैं नौकरी देने की जो घोषणा कर रहा हूं.

जीतनराम मांझी का तेजस्वी पर तंज, 'बेटा ललटेनवा, गदहा चाहे कितनी कोशिश कर ले...'

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है और राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है। राजनेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है। इस बीच केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर हमला बोला है। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि लालू परिवार के सत्ता के प्रति बौखलाहट देखकर ऐसा लगता है कि तेजस्वी यादव अगली प्रेस कांफ्रेंस में यह घोषणा करते हुए कहेंगे कि यदि बिहार में राजद सरकार बनी तो हर परिवार के एक सदस्य को चांद और मंगल ग्रह पर चार कठ्ठे का एक-एक फार्म हाउस दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेटा ललटेनवा, "गदहा चाहे कितनी कोशिश कर ले ओकर सिर पर सिंग नहीं निकल सकता।" बूझे... बता दें कि

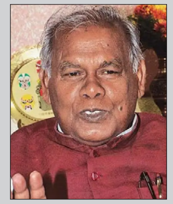

इससे पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को 'हर घर में एक सरकारी नौकरी' देने का वादा किया। तेजस्वी यादव ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि उनकी सरकार बनने के 20 दिनों के अंदर एक ऐसा अधिनियम बनाया जाएगा, जिसके तहत बिहार के हर परिवार में कम से कम एक सरकारी नौकरी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा, बिहार में ऐसा कोई परिवार नहीं होगा, जिसके पास सरकारी नौकरी न हो। यह हमारा संकल्प है और हम इसे पूरा करेंगे। इसके लिए किसी प्रमाण की जरूरत नहीं है। हमने पिछले 17 महीनों में पांच लाख नौकरियां दी हैं और लगभग 3.5 लाख नौकरियों को प्रक्रियाधीन किया है। उन्होंने आगे कहा कि जब हर घर में सरकारी नौकरी होगी, तब बिहार की जनता पूरी ताकत से उनकी सरकार के साथ काम करेगी।

लोजपा (रामविलास) ने सीट बंटवारे पर अंतिम निर्णय के लिए चिराग को अधिकृत किया

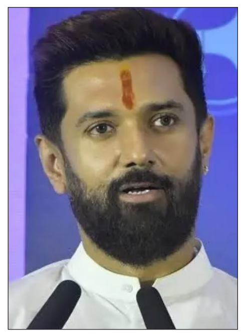

राष्ट्र संवाद संवाददाता

पटना । लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेताओं ने बृहस्पतिवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को बिहार विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे पर अंतिम निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के इस घटक दल के प्रमुख नेताओं ने यहां बैठक कर सर्वसम्मति से यह फैसला किया। बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में छह और 11 नवंबर को होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। लोजपा (रामविलास) के सांसद और पार्टी के बिहार चुनाव प्रभारी अरुण भारती ने संवाददाताओं से कहा, ''पार्टी पदाधिकारियों में आम सहमति बनी है कि बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चिराग पासवान जी जो भी निर्णय लेंगे, वह हम सभी के लिए स्वीकार्य होगा।''

लोजपा की समस्तीपुर से लोकसभा सदस्य शंभवी चौधरी ने कहा, ''हमने राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान जी को विधानसभा चुनाव से जुले सभी अहम निर्णयों, जिसमें सीट बंटवारा भी शामिल है, का अधिकार सौंप दिया है।'' राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के इस घटक दल के प्रमुख नेताओं ने यहां बैठक की। बैठक के बाद पार्टी की बिहार इकाई के अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि अब गेंद चिराग पासवान के पाले में है। उन्होंने कहा, ''उनका निर्णय अंतिम होगा।''

सूत्रों का कहना है कि पहले लोजपा (रामविलास) ने लगभग 20-22 सीटों पर सहमति जताई थी, लेकिन अब पार्टी कम से कम 25 और सीटों की मांग कर रही है।

आंध्र प्रदेश : पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से छह लोगों की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश के डॉ. बीआर. अंबेडकर कोनासीमा जिले में बुधवार को एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लगने से छह कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य घायल हो गए। इस घटना पर मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने दुख जताया। पुलिस ने बताया कि रायवरम मंडल के कोमारीपालेम गांव में लक्ष्मी गणपति पटाखा फैक्ट्री में दोपहर में भीषण आग लग गई। पटाखा फैक्ट्री का शेड भीषण विस्फोट के कारण ढह गया। पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया। रासायनिक पदार्थों की मौजूदगी के कारण आग तेजी से फैल रही थी, इसलिए दमकलकर्मियों को आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। आग में फंसकर छह कर्मचारियों की मौके पर मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को अनापर्थी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य को निजी अस्पतालों में ले जाया गया।

यूनिट में लगभग 15 कर्मचारी थे। अधिकारियों को संदेह है कि कुछ और लोग मलबे में दबे हो सकते हैं। आग और भीषण विस्फोट से गांव और आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। पुलिस अधिकारी, राजस्व कर्मी और अग्निशमन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति पर नजर रखी। अधिकारियों को संदेह है कि यह दुर्घटना यूनिट में सुरक्षा मानकों का पालन न करने के कारण हुई होगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों को बेहतर चिकित्सा सहायता प्रदान करने की बात कही। उन्होंने कहा, ₹कोनसीमा जिले के रायवरम स्थित बाना सांचा मैन्युफैक्चरिंग सेंटर में आग लगने की घटना से हड़कंप मच गया है। इस दुखद दुर्घटना में कई लोगों की जान जाने से गहरा दुःख हुआ है। नायडू ने लिखा, मैंने अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों, वर्तमान स्थिति, राहत कार्यों और चिकित्सा सहायता के बारे में बात की है। मैंने वरिष्ठ अधिकारियों को घटनास्थल का व्यक्तिगत रूप से दौरा करने और राहत कार्यों में शामिल होने का निर्देश दिया है। मैंने घायलों को बेहतर चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। हम प्रभावित परिवारों के साथ हैं।

चेतावनी के बावजूद जारी था काम : पुलिस अधीक्षक (एसपी) राहुल मीणा ने पुष्टि की कि यह फैक्ट्री लाइसेंसी थी, लेकिन एसडीपीओ रघुवीर ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि फैक्ट्री को पिछले पखवाड़े (15 दिन) में दो बार चेतावनी दी गई थी और राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा नोटिस भी जारी किए गए थे। इन चेतावनियों के बावजूद फैक्ट्री में काम जारी था, जिसके कारण यह बड़ा हादसा हुआ। स्थानीय लोगों के तत्काल प्रयासों से आग पर काबू पाया गया।

मौके पर रेस्क्यू टीम : इस घटना में दो लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा है। हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही फायरब्रिगेड और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई हैं। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी कोशिश में लगे हैं कि आग दोबारा ना भड़के और नजदीक के घरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

भारतीय टीम ने एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से रौंदा

भारत फिर बना एशिया किंग

तिलक वर्मा ने नाबाद अर्धशतक लगाकर 'संकटमोचक' की भूमिका निभायी और बेहद रोमांचक फाइनल मुकाबले में रविवार को भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का एक बार फिर मानमर्दन करते हुए पांच विकेट से हरा कर नौवीं बार एशिया कप जीता. भारत को आखिरी ओवर में दस रन की जरूरत थी और विवादों से घिरे रहने वाले पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ के हाथ में गेंद थी. तिलक ने दूसरी गेंद पर छक्का लगाया और चौथी गेंद पर रिंकू सिंह ने चौका जड़कर स्टेडियम में मौजूद भारतीय दर्शकों के साथ टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे प्रशंसकों को जश्न में सराबोर कर दिया. जीत के लिए 147 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरूआत खराब रही थी और पहले पांच ओवर में 20 रन के भीतर तीन विकेट गिर गये थे. इसके बाद तिलक ने एक मोर्चा संभालकर 53 गेंद में नाबाद 69 रन बनाये, जबकि संजू सैमसन (24) और शिवम दुबे (21 गेंद में 33 रन) ने उनका पूरा साथ दिया. फाइनल से पहले मैदान से बाहर के तनाव के बीच सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर की इस टीम ने फॉर्म में चल रहे बल्लेबाजों के जल्दी आउट होने के बावजूद बेखौफ खेल दिखाया और दबाव को हावी नहीं होने दिया. पहले कुलदीप यादव ने चार विकेट लेकर पाकिस्तान को 19 .1 ओवर में 146 रन पर समेट दिया और उसके बाद तिलक ने अपनी पारी से टीम को जीत तक पहुंचाया. उन्होंने सैमसन के साथ 57 और दुबे के साथ 64 रन की साझेदारी की. मैच का निर्णायक पल रऊफ का 15वां ओवर था जिसमें भारतीय बल्लेबाजों ने 17 रन निकाले. सुपर 4 चरण में भारतीय प्रशंसकों को भड़काऊ इशारे करने वाले रऊफ ने 3.4 ओवर में 50 रन दे डाले और उन्हें कोई विकेट भी नहीं मिला. इससे पहले अभिषेक शर्मा (पांच) जल्दी आउट हो गये.

अभिषेक शर्मा बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

इस संस्करण में अभिषेक सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. उन्होंने सात पारियों में 44 .8 की औसत और 200 की स्ट्राइक रेट के साथ 314 रन बनाये. अभिषेक ने ना सिर्फ रन बनाए, बल्कि उनके बल्ले से सबसे ज्यादा छक्के भी निकले. अभिषेक ने पहली ही गेंद से विपक्षी टीमों पर प्रहार करना शुरू किया था और पावरप्ले में वह धमाकेदार बल्लेबाजी करते नजर आये. अभिषेक ने यूएइ के खिलाफ मैच में तीन छक्के लगाये. अभिषेक प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे.

पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने किया भारत के राष्ट्रगान का अपमान

फाइनल मुकाबले से पहले दोनों क्रिकेट टीमें राष्ट्रगान के लिए कतार में खड़ी हुईं, तो पहले पाकिस्तान और उसके बाद भारत का राष्ट्रगान हुआ. प्रोटोकॉल के मुताबिक खिलाड़ी जहां सावधान की मुद्रा में खड़े थे, वहीं कैमरे में पाकिस्तान के खिलाड़ी शाहीन शाह अफरीदी और हारिस राऊफ भारत के राष्ट्रगान के दौरान बातें करते हुए नजर आये.

भारतीय कप्तान ने नहीं मिलाया हाथ

भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनके पाकिस्तानी समकक्ष सलमान आगा ने एशिया कप 2025 में तीसरी बार टॉस के समय हाथ नहीं मिलाया.

बुमराह का प्लेन सेलिब्रेशन

एशिया कप 2025 के फाइनल में जसप्रीत बुमराह ने हारिस रउफ को बोल्ड कर प्लेन गिराने का इशारा किया, उनका ये सेलिब्रेशन खूब वायरल हो रहा है.

रिंकू के विजयी चौके से मना जश्न

जीत के बाद देश भर में जश्न मना. राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री से लेकर पूर्व क्रिकेटरों ने खिलाड़ियों को बधाई दी. रिंकू सिंह ने पूरे एशिया कप में एक ही गेंद खेली और उसी गेंद पर फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ विजयी चौका जड़कर उसे क्रिकेटप्रेमियों की जिंदगी भर की अमिट यादों में शामिल कर दिया पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल टूर्नामेंट में रिंकू का पहला मैच था. रिंकू ने रोमांचक फाइनल जीतने के बाद कहा कि और कुछ मायने नहीं रखता. एक गेंद मायने रखती है.

कुलदीप ने रचा इतिहास

कुलदीप एशिया कप (वनडे और टी-20) के इतिहास में सबसे ज्यादा 36 विकेट विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गये हैं .कुलदीप ने वनडे प्रारुप में 11 मैचों में 19 विकेट,तो टी-20 प्रारूप में सात मैच में 17 विकेट लिये हैं. कुलदीप ने लसिथ मलिंगा (33 विकेट) का रिकॉर्ड तोड़ा.

जन सुराज पार्टी ने जारी की 51 उम्मीदवारों की पहली सूची

पटना। जन सुराज पार्टी ने गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 51 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की. उम्मीदवारों में जननायक कर्पूरी ठाकुर की पोती डॉ जागृति ठाकुर को समस्तीपुर के मोरवा से, पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह की बेटी लता कुमारी को अस्थावां से, नालंदा ओपेन विवि के पूर्व कुलपति प्रो केसी सिन्हा को पटना के कुम्हरार से, वरीय अधिवक्ता वाइवी गिरि को मांझी, पूर्व विधायक किशोर कुमार मुन्ना को सहरसा और पूर्व डीजी (होमगार्ड) आरके मिश्रा को दरभंगा और हिमाचल प्रदेश के पूर्व डीजी जेपी सिंह को छपरा से उम्मीदवार बनाया है. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने कहा कि 51 उम्मीदवारों में सात सुरक्षित और 44 सामान्य सीट के उम्मीदवार हैं. अति पिछड़ा वर्ग के 17, पिछड़ा वर्ग के 11, सामान्य वर्ग के नौ और अल्पसंख्यक वर्ग के सात उम्मीदवार शामिल किये गये हैं.

पहले चरण की 121 सीटों पर नामांकन 10 अक्टूबर से

62 सीटों पर है एनडीए का कब्जा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के तहत पहले चरण के लिए 10 अक्तूबर को अधिसूचना जारी होते ही 121 सीटों पर नामांकन शुरू हो जायेगा. नामांकन की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से शुरू होगी, जो दोपहर तीन बजे समाप्त होगी. 17 अक्तूबर को नामांकन की अंतिम तिथि है. 18 अक्तूबर को नामांकन पत्रों की जांच की जायेगी. 20 अक्तूबर तक नाम वापस लिये जायेंगे. चार नवंबर की शाम चुनाव प्रचार थम जायेगा.

59 सीटों पर है महागठबंधन का कब्जा : पहले चरण की जिन 121 सीटों पर छह नवंबर को वोट डाले जायेंगे, उनमें 62 सीटों पर एनडीए का कब्जा है. जबकि बाकी 59 सीटें महागठबंधन की झोली में है. एनडीए में सबसे अधिक 38 सीटें भाजपा के पास हैं. हालांकि 2020 के चुनाव भाजपा इनमें 32 सीटें ही जीत पायी थी.

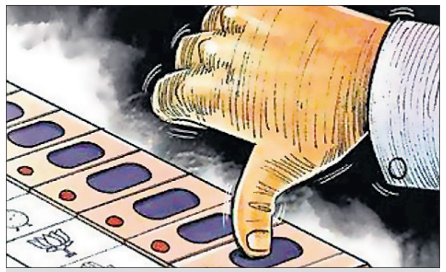

आयोग सख्त : भ्रामक प्रचार के लिए न हो एआइ का दुरुपयोग

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद निर्वाचन आयोग द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) आधारित भ्रामक और फर्जी प्रचार सामग्री पर सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किये जाने के साथ ही बिहार पुलिस और उसकी विभिन्न एजेंसियां अलर्ट मोड में आ गयी हैं. आयोग के आदेश के बाद राज्य के गृह विभाग ने साइबर क्राइम यूनिट, आर्थिक अपराध इकाई (इओयू) और जिला पुलिस को विशेष निगरानी के निर्देश जारी कर दिये हैं. सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को आदेश दिया है कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम, यूट्यूब और व्हाट्सएप पर निगरानी बढ़ाएं.

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 8.5 लाख कर्मी होंगे तैनात

नयी दिल्ली. चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनाव सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए 2.5 लाख पुलिस कर्मियों सहित करीब 8.5 लाख चुनाव कर्मियों को तैनात करेगा. चुनाव आयोग ने गुरुवार को कहा कि लगभग 8.5 लाख चुनाव कर्मियों में से 4.53 लाख मतदान कर्मी, 2.5 लाख पुलिस कर्मी, 28,370 मतगणना कर्मी, 17,875 माइक्रो ऑब्जर्वर, 9,625 सेक्टर अधिकारी और 90,712 आंगनवाड़ी सेविकाएं होंगी. पहली बार, बिहार के 243 निर्वाचन क्षेत्रों में से प्रत्येक के लिए एक सामान्य पर्यवेक्षक नियुक्त किया जायेगा, जो आयोग की आंख और कान के रूप में कार्य करेगा. आयोग के मुताबिक इनके अलावा, 38 पुलिस पर्यवेक्षक और 67 व्यय पर्यवेक्षक भी तैनात किए गए हैं. ये पर्यवेक्षक अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में तैनात रहेंगे और नियमित रूप से राजनीतिक दलों व उम्मीदवारों से मिलकर

जदयू को 104 और भाजपा को मिल सकती हैं 103 सीटें

पटना। बिहार एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर फॉर्मूला तैयार हो चुका है. सहमति के मुताबिक चिराग पासवान और, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा के साथ तालमेल को अंतिम रूप भाजपा देगी. इन तीनों दलों के बीच सीटों के बटवारे के बाद जो सीटें बचेंगी उनमें जदयू और भाजपा कमोवेश बराबरी के तौर पर चुनाव मैदान में उतरेंगे. सूत्रों के अनुसार, रविवार को एनडीए अपने सीटों के तालमेल की घोषणा संयुक्त तौर पर कर देगी.

बिहार में आचार संहिता लागू होते ही एक्शन में प्रशासन, 2 करोड़ से अधिक की नकदी-शराब जब्त

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही राज्य में आदर्श चुनाव आचार संहिता भी लागू कर दी गई है। आचार संहिता लागू होते ही निर्वाचन आयोग और स्थानीय प्रशासन एक्शन मोड में आ गए हैं। इस कड़ी में राज्य में प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा व्यापक रूप से निगरानी और गहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए नकदी, शराब, मादक पदार्थ, बहुमूल्य वस्तुएं और अन्य उपहारों के वितरण पर रोक लगाने के उद्देश्य से ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में एजेंसियों ने बड़ी मात्रा में जब्ती की है। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में नकदी, शराब, नशीले पदार्थ व दूसरी चीजें बरामद की हैं। जब्त की गई चीजों की कीमत दो करोड़ रुपए से ऊपर की बताई जा रही है। बता दें कि राज्य में चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस, आबकारी विभाग, आयकर विभाग, नारकोटिक्स ब्यूरो, सीमा शुल्क और फ्लाइंग स्क्वॉड टीमें द्वारा लगातार संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा सभी जिलों को निर्देश दिया गया है कि निगरानी को और सशक्त बनाते हुए प्रत्येक शिकायत पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। निर्वाचन आयोग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता बिना किसी प्रलोभन या दबाव के स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। इससे पहले, मंगलवार को ही पुलिस प्रशासन ने गोपालगंज जिले के नगर थाना क्षेत्र में वाहन तलाशी अभियान के दौरान एक वाहन से 7.50 लाख रुपए बरामद किए थे। बताया गया कि नगर थाना पुलिस टीम द्वारा वाहनों की जांच की जा रही थी, उसी दौरान एक वाहन से 7.50 लाख रुपए बरामद किए गए। प्रारंभिक पूछताछ के बाद वाहन पर सवार लोगों द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिए जाने के कारण पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया। गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद जिले में हर संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत बड़ी राशि के लेनदेन या परिवहन पर रोक है। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर वाहनों की तलाशी ली जा रही है। इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति द्वारा भारी मात्रा में नकदी का परिवहन किया जा रहा है। जब वाहन की तलाशी ली गई, तब वाहन से 7.50 लाख रुपए बरामद किए गए। मामले में संबंधित व्यक्ति से दस्तावेज और सबूत मांगे गए हैं।

भारत ने वेस्टइंडीज को एक पारी और 140 रन से हराया

भारत ने ढाई दिन में जीता पहला टेस्ट

जडेजा ने 104* रन बनाये और चार विकेट लिये

उपकप्तान रवींद्र जडेजा के बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को पहले क्रिकेट टेस्ट में तीन दिन के भीतर ही एक पारी और 140 रन से हरा कर दो मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली. भारत ने पहली पारी कल के स्कोर पांच विकेट पर 448 रन पर घोषित करके 286 रन की बढ़त बना ली थी. वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में 45.1 ओवर में 146 रन पर आउट हो गयी. बल्लेबाजी में नाबाद शतक जमाने वाले जडेजा ने दूसरी पारी में 54 रन देकर चार विकेट लिये. दूसरा टेस्ट 10 अक्तूबर से दिल्ली में खेला जायेगा.

कप्तान शुभमन गिल ने मैच के बाद कहा : यह हमारे लिए परफेक्ट मैच था. तीन शतक और इतनी शानदार फील्डिंग. तीसरे दिन पिच से मिल रही मदद का मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने पूरा फायदा उठाया. सिराज ने 40 रन देकर चार और बुमराह ने 42 रन देकर तीन विकेट लिये. भारतीय पारी में सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (100) ने नौ साल बाद देश में टेस्ट शतक लगाया. विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने पहला टेस्ट शतक जड़ा और जडेजा 104 रन बना कर नाबाद रहे. तीसरे दिन सुबह के सत्र में पिच से मदद की संभावना में भारत ने पारी कल के स्कोर पर ही घोषित कर दी. जडेजा की अगुवाई में स्पिनरों ने वेस्टइंडीज को दबाव में रखा. सलामी बल्लेबाज तेजनारायण चंद्रपॉल (आठ) और जॉन कैंपबेल ने सकारात्मक शुरुआत की, लेकिन आठवें ओवर में नीतीश रेड्डी ने स्क्वेयर लेग पर शानदार कैच लपक कर भारत को पहली कामयाबी दिलायी. सिराज की शॉर्ट गेंद पर चंद्रपॉल ने शॉट खेला और रेड्डी ने अपनी बायीं ओर डाइव लगा कर बेहतरीन कैच पकड़ा. इसके बाद जडेजा ने कैंपबेल (14) को रवाना किया. चौथे नंबर पर उतरे ब्रेंडन किंग (पांच) ने पहली स्लिप में केएल राहुल को कैच थमाया. वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेस (एक) को स्पिनर कुलदीप यादव ने आउट किया.

ब्लैक ड्रेस में शानदार लगीं काजोल, बताया– 'कपड़ों का चयन आसान होना चाहिए'

अभिनेत्री काजोल इन दिनों नए शो 'टू मच विद काजोल और ट्विंकल' को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह बेहद स्टाइलिश नजर आ रही हैं। काजोल ने तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा, ₹कभी-कभी भावनाएं उलझन भरी हो सकती हैं, लेकिन कपड़ों का चयन आसान होना चाहिए। यह खूबसूरत काला ड्रेस मेरे आत्मविश्वास को किसी तारीफ से ज्यादा बढ़ाता है। पहली तस्वीर में अभिनेत्री कैमरे को देखते हुए हल्की-सी स्माइल के साथ पोज दे रही है। वहीं, दूसरी में एक साइड देखते हुए वह स्टाइलिश अंदाज में खड़े होकर पोज दे रही हैं। बाकी तस्वीरों में काजोल कई पोज देकर फोटो खिंचवा रही हैं। काजोल और ट्विंकल जल्द ही नए शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' को होस्ट करती नजर आएंगी। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। शो में कई बॉलीवुड हस्तियां शिरकत करेंगी, जिनमें सलमान खान, आमिर खान, अक्षय कुमार, आलिया भट्ट, वरुण धवन, करण जौहर, कृति सेनन, विक्की कौशल, गोविंदा, और जाह्नवी कपूर जैसे कई स्टार्स शामिल होंगे। शो का प्रीमियर 25 सितंबर को प्राइम वीडियो पर होगा। काजोल के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वह फिर से कोर्टरूम ड्रामा 'द ट्रायलः प्यार कानून धोखा' के दूसरे सीजन में नोयोनिका सेनगुप्ता के किरदार को जीवंत करती नजर आएंगी। वहीं, काजोल हाई-बजट एक्शन थ्रिलर फिल्म 'महाराग्नी : क्वीन ऑफ क्वीन्स' में नजर आएंगी। इस फिल्म में काजोल के साथ प्रभुदेवा, नसीरुद्दीन शाह, साम्युक्ता मेनन, जिशु सेनगुप्ता और आदित्य सील जैसे सितारे हैं। फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है, लेकिन अभी रिलीज डेट की घोषणा नहीं हुई है। फिल्म को चरण तेज ने लिखा और डायरेक्ट किया है। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है, जो हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी।

कैजुअल लुक में दिखीं डायना पेंटी डेनिम स्कर्ट-टॉप में तस्वीरें की पोस्ट

अभिनेत्री डायना पेंटी इन दिनों अपने ओटीटी डेब्यू वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में डायना ने ब्लू डेनिम स्कर्ट-टॉप पहना, जो उनके स्लिम फिगर को परफेक्टली हाइलाइट कर रहा है। लुक को और भी आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने मिनिमल मेकअप किया है, जो उनकी सादगी भरी खूबसूरती को उभार रहा है। वहीं, कानों में बड़े-बड़े ईयरिंग से उनका कैजुअल लुक और भी आकर्षक बन गया है। तस्वीरों की बात करें तो पहली तस्वीर में वह स्कर्ट की डेंट स्माइल के साथ कैमरे को देखते हुए पोज दे रही हैं। दूसरी में वह कमर में हाथ रखकर स्टाइलिश अंदाज में मुड़ते हुए देख रही हैं। तीसरी तस्वीर में डायना सीधे कैमरे की ओर देख रही हैं। बाकी तस्वीरों में वह अलग-अलग एंगल्स से पोज देती नजर आ रही हैं, कभी लेग्स क्रॉस करके सीढ़ियों पर, तो कभी वॉल के सहारे लीन होकर। तस्वीरों को पोस्ट कर अभिनेत्री ने लंबा-चौड़ा कैप्शन लिखने की जगह बस ब्लू कलर का हार्ट इमोजी ऐड किया है, जो कि उनके ड्रेस से मेल खा रहा है। उनकी इस तस्वीरों को कई यूजर ने लाइक किया है और फैंस ने 'ब्यूटीफुल' और 'गॉर्जियस' जैसे कमेंट किए हैं।

मानुषी छिल्लर ने मुंबई में लांच किया सोमा वेलनेस

मिस वर्ल्ड और अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने हेल्थ-केयर के क्षेत्र में एंटरप्रेन्योरशिप की घोषणा करते हुए, मुंबई में 'सोमा वेलनेस' नाम की एक उन्नत रीजनरेटिव मेडिसिन और वेलनेस सेंटर की स्थापना की है। इस पहल को उन्होंने अपने पिता और प्रख्यात चिकित्सक डॉ. मित्रा बसु छिल्लर के साथ मिलकर शुरू किया है, जो इस क्लिनिक के मेडिकल डायरेक्टर की भूमिका निभा रहे हैं। चिकित्सा की पढ़ाई में मजबूत अकैडमी बैकग्राउंड और स्वास्थ्य सेवा के प्रति गहरी रुचि रखने वाली मानुषी, डॉक्टर बनने की राह पर थीं जब उन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता। अब उनका का लक्ष्य ग्लोबल मेडिकल विशेषज्ञता को भारतीय स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं के साथ जोड़ना है। 'सोमा वेलनेस' भारत में वैज्ञानिक प्रमाणित रीजनरेटिव मेडिसिन उपचार पेश करता है जो पहले केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और मिडिल ईस्ट के प्रमुख केंद्रों में ही उपलब्ध थे। 'सोमा वेलनेस' का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए व्यक्तिगत, अंतरराष्ट्रीय स्तर की उपचार प्रणाली प्रदान करना है, इसका फोकस केवल लक्षणों के प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कहीं आगे जाकर लंबे समय तक स्वास्थ्य लाभ देने पर आधारित है, जिसमें शामिल हैंः पुरानी बीमारियों का निवारण, हार्मोनल संतुलन को बेहतर बनाना, वज़न और उम्र से संबंधित समस्याओं का प्रबंधन, जीवन शक्ति और लंबे समय तक स्वास्थ्य की बहाली। प्रत्येक क्लाइंट की पूरी स्वास्थ्य जांच की जाती है, जिसमें ब्लड प्रोफाइल, एलर्जी और इनटोलरेंस परीक्षण, जेनेटिक, लाइफस्टाइल और एनवायरनमेंट कारकों का विश्लेषण शामिल होता है। इसके आधार पर क्लिनिक एक कस्टमाइज प्लान तैयार करता है जिसमें न्यूट्रीशन, लाइफ-स्टाइल और लक्षित उपचारों (इलाज) को शामिल किया जाता है, जिससे एक ही बीमारी वाले दो व्यक्तियों को एक जैसे इलाज की आवश्यकता नहीं पड़ती।

योग, ऑक्सीजन थेरेपी और ताजी हवा ये हैं मलाइका के फिटनेस के साथी

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा फिल्म इंडस्ट्री की फिट एक्ट्रेस में से एक मानी जाती हैं। उनकी फिटनेस और स्टाइल देख लोग हैरान हो जाते हैं। गुरुवार को उन्होंने अपनी फिटनेस रूटीन की एक झलक लोगों के साथ सोशल मीडिया पर साझा की। इसमें उन्होंने अपने फिटनेस मंत्र को लोगों के साथ कई तस्वीरों के रूप में साझा किया है। मलाइका अरोड़ा ने जो पहली इंस्टा स्टोरी शेयर की उसमें वह झील के किनारे योग करते हुए दिखाई दीं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, ₹जल्दी सोना, जल्दी उठना। मेरी खुशी का ठिकाना।

इसके बाद उन्होंने अपने परफेक्ट नाश्ते की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें एक ऑमलेट के साथ चकली और कुछ हेल्दी जूस शामिल था। मलाइका ने आगे बताया कि वह अपनी सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन थेरेपी का इस्तेमाल करती हैं। इन सबके साथ मलाइका ने बताया कि वह पैदल चलने के अपने लक्ष्य को पूरा करना भी सुनिश्चित करती हैं। उनकी फिटनेस वाली चेकलिस्ट में धूप, पानी, सनस्क्रीन, और ताजी हवा भी शामिल है। मलाइका अरोड़ा समय-समय पर सोशल मीडिया के जरिये लोगों से अपने फिटनेस रूटीन को साझा करती रहती हैं ताकि वह भी उनसे प्रेरित हो सकें। इससे पहले मलाइका अरोड़ा ने अपना आत्मविश्वास बनाए रखने का मंत्र एक इंटरव्यू में साझा किया था। इसमें उन्होंने बताया था कि जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखने के बाद भी कैसे उन्होंने मुश्किल समय में अपना आत्मविश्वास नहीं डिगने दिया।

अभिनेत्री ने खुद को याद दिलाती हूं कि मुश्किल समय आना भी ठीक है। व्यायाम करना, कृतज्ञता का अभ्यास करना और अपनी खामियों को स्वीकार करना मुझे हमेशा अपने मूल में वापस लाता है। मलाइका अरोड़ा अपने फैंस के बीच अपनी कमाल की फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। वह अक्सर ट्रेंड सेट करने में आगे रहती हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि वह कैसे आराम से ग्लैमर और कंफर्ट के बीच संतुलन बनाती हैं। मलाइका बोलीं, मैं ग्लैमर को अपने आराम यानी कंफर्ट पर भारी नहीं पड़ने देती हूं। असली स्टाइल तब होता है जब आप किसी कमरे में शानदार दिखते हुए प्रवेश करें, लेकिन फिर भी अपनी अहमियत को बरकरार रखें। आराम को दरकिनार कर मैं कभी फैशन कैरी करना पसंद नहीं करती।

71वीं नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी

मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिला, शाहरुख खान–विक्रांत मैसी को बेस्ट एक्टर, रानी बनीं बेस्ट एक्ट्रेस

नई दिल्ली : विज्ञान भवन में मंगलवार को आयोजित 71वीं नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी में भारतीय सिनेमा की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। . राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को अवॉर्ड प्रदान किए। इस अवसर पर शाहरुख खान और विक्रांत मैसी को बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड दिया गया। वहीं, रानी मुखर्जी को बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान मिला। फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के गीत ढिंढोरा बाजे के लिए वैभवी मर्चेंट को बेस्ट कोरियोग्राफी का अवॉर्ड प्रदान किया गया। इसके अलावा, सान्या मल्होत्रा स्टारर फिल्म कटहल को बेस्ट हिंदी फिल्म घोषित किया गया, जिसे डायरेक्टर यशोवर्धन मिश्रा ने रिसीव किया। गौरतलब है कि नेशनल फिल्म अवॉड्र्स की शुरुआत 1954 में हुई थी और तब से यह समारोह लगातार नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित होता आ रहा है। अगस्त 2023 में जिन विजेताओं की घोषणा हुई थी, उन्हें आज औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया। मलयालम अभिनेता मोहनलाल को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान 'दादा साहब फाल्के पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

डॉ सत्यवान सौरभ

"जलते पुतले-बढ़ते रावण दशहरे का बदलता अर्थ"

दशहरे पर रावण के पुतले जलाना केवल परंपरा नहीं, बल्कि बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। लेकिन आज पुतले केवल मनोरंजन बनकर रह गए हैं, जबकि समाज में अहंकार, हिंसा, वासना और अन्य बुराइयाँ लगातार बढ़ रही हैं। असली रावण हमारे भीतर और समाज में मौजूद हैं। यही समय है कि हम अपने मन के रावणों की पहचान करें, उन्हें त्यागें और समाज से अपराध, छल-कपट और अन्य अधर्म को मिटाने का संकल्प लें। तभी दशहरा वास्तव में विजयादशमी बन सकता है।

हर साल जब दशहरे की शाम को रावण के विशाल पुतले धू-धू कर जलते हैं, तो दर्शकों की आँखों में उत्सव का रोमांच दिखाई देता है। पटाखों की गड़गड़ाहट, आतिशबाज़ी की चमक और भीड़ का शोर इस पर्व को एक रंगीन उत्सव में बदल देता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस पूरे आयोजन का संदेश—बुराई पर अच्छाई की जीत—हमारे जीवन और समाज में कहीं उतर पाता है?

आज दशहरा एक मनोरंजन का ट्रेंड बनकर रह गया है। लोग पुतले जलाते हैं, फोटो और वीडियो बनाते हैं, सोशल मीडिया पर साझा करते हैं। लेकिन यह सोचने का समय शायद ही निकालते हैं कि यह रावण दहन केवल परंपरा निभाने के लिए नहीं, बल्कि हमें आत्ममंथन और सामाजिक सुधार का अवसर देने के लिए शुरू हुआ था।

रामायण की कथा में रावण केवल एक पात्र नहीं था, बल्कि वह उन बुराइयों का प्रतीक था जो इंसान को पतन की ओर ले जाती हैं—अहंकार, वासना, छल, क्रोध और अधर्म। रावण जैसा महाज्ञानी, शिवभक्त और शूरवीर भी अपनी एक गलती—वासना और अहंकार—के कारण विनाश को प्राप्त हुआ। दशहरा हमें यही याद दिलाने आता है कि यदि बुराई चाहे कितनी ही शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः उसका नाश निश्चित है।

लेकिन आज दशहरे का स्वरूप बदल चुका है। अब रावण दहन व्यावसायिक और दिखावटी उत्सव में बदल गया है। हर साल पुतले और बड़े बनाए जाते हैं, पटाखों पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं। रिपोर्टें बताती हैं कि पिछले कुछ वर्षों में रावण पुतलों की संख्या कई गुना बढ़ी है, पर समाज में अपराध और बुराइयों का ग्राफ घटने की बजाय बढ़ा ही है।

आज के दौर में रावण केवल पुतलों तक सीमित नहीं है। वह हमारे बीच, हमारे आस-पास, हमारे भीतर मौजूद है। समाज में अपराध, बलात्कार, हत्या, दहेज हिंसा, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और नशे की लत जैसी घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। रिश्तों का पतन भी चिंता का विषय है—मां-बाप, भाई-बहन, यहाँ तक कि बच्चों तक की हत्या की खबरें आए दिन सामने आती हैं। आज का इंसान ज्यादा पढ़ा-लिखा और आधुनिक है, लेकिन बुराइयाँ भी उतनी ही तेज़ी से पनप रही हैं।

विडंबना यह है कि जिस रावण को हम हर साल जलाते हैं, वह अकेला था। विद्वान था, नीतिज्ञ था, अपने परिवार और राज्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ था। उसकी एक गलती उसे विनाश की ओर ले गई। लेकिन आज का रावण—यानी आज का अपराधी और बुराई का प्रतीक—उससे कहीं अधिक क्रूर, धूर्त और निर्लज्ज है।

दशहरे का पर्व हमें यह याद दिलाने के लिए है कि बुराइयाँ कितनी भी ताकतवर क्यों न हों, उन्हें मिटाना ही होगा। लेकिन केवल पुतले जलाने से बुराइयाँ खत्म नहीं होंगी। हमें यह समझना होगा कि आज का रावण बाहर ही नहीं, भीतर भी है। हर इंसान के भीतर अहंकार, क्रोध, वासना, ईर्ष्या और लालच जैसे रावण मौजूद हैं। जब तक इनका दहन नहीं होगा, तब तक समाज में शांति और न्याय संभव नहीं।

पुतला जलाने के साथ हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने जीवन से कम-से-कम एक बुराई को अवश्य दूर करेंगे। दशहरे का संदेश तभी सार्थक होगा जब समाज सामूहिक रूप से भ्रष्टाचार, हिंसा, नशाखोरी, दहेज और महिला शोषण जैसी बुराइयों के खिलाफ खड़ा होगा।

आज के दौर का सबसे बड़ा संकट यह है कि समाज बुराइयों के प्रति संवेदनहीन होता जा रहा है। हर दिन अख़बारों में दुष्कर्म, हत्या और भ्रष्टाचार की खबरें छपती हैं, लेकिन हम उन्हें सामान्य मानकर टाल देते हैं। पुतला जलाने के बाद हम चैन से घर लौट आते हैं, मानो बुराई का अंत हो चुका हो। हकीकत यह है कि आज के रावण सर्वव्यापी हैं। वे महलों में भी रहते हैं और झोपड़ियों में भी। वे पढ़े-लिखे भी हैं और अशिक्षित भी। वे राजनीति, व्यापार, शिक्षा और समाज के हर क्षेत्र में फैले हुए हैं।

राम केवल एक ऐतिहासिक या धार्मिक पात्र नहीं, बल्कि आदर्श और मूल्यों का प्रतीक हैं। राम का अर्थ है धर्म का पालन। राम का अर्थ है सत्य और न्याय के लिए संघर्ष। राम का अर्थ है मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा। लेकिन आज का समाज राम के गुणों को अपनाने के बजाय केवल राम के नाम का राजनीतिक और धार्मिक उपयोग कर रहा है। परिणाम यह है कि रावण जलते तो हैं, पर मन के रावण और समाज के रावण और अधिक शक्तिशाली होकर खड़े हो जाते हैं।

दशहरा हमें अवसर देता है कि हम रुककर सोचें—क्या हम अपने भीतर के रावण को पहचान पा रहे हैं? क्या हम अपने जीवन से एक भी बुराई कम कर पाए हैं? क्या हम समाज को बेहतर बनाने के लिए कोई ठोस कदम उठा रहे हैं? यदि इन सवालों का जवाब "नहीं" है, तो हमें स्वीकार करना होगा कि रावण दहन केवल एक परंपरा बनकर रह गया है।

सबसे बड़ी ज़रूरत यह है कि हम केवल पुतले जलाने की रस्म न निभाएँ, बल्कि अपने भीतर और समाज में मौजूद रावणों को पहचानें और उनका संहार करने का साहस दिखाएँ। तभी दशहरा एक सच्चे अर्थ में विजयादशमी बन पाएगा। जब-जब हम अपने भीतर के अहंकार, वासना और लोभ को परास्त करेंगे, तब-तब हमारे भीतर का राम जीवित होगा। और तभी हम कह सकेंगे कि रावण सचमुच मरा है।

बद्री नारायण चौधरी
डब्ल्यूजेड 361, झाड़बाबा
मंदिर, नारायण गांव, दिल्ली-28
मो. 09873026253

दुर्गेश तिवारी
113 श्री सत्यनारायण मंदिर,
हरिद्वार रोड, देहरादून,
उत्तराखंड-249201
मो. 09619833704

मेष

अक्टूबर माहीने की शुरुआत में मेष राशि के जातकों को अपनी वाणी और स्वभाव पर नियंत्रण रखना होगा।। इस दौरान आपकी बातें काम को बनाएंगी और आपके शब्द ही काम को बिगाड़ेंगे। परीक्षा प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए यह समय शुभ साबित होगा। स्वास्थ्य में सुधार होता दिख रहा है। करियर और बिजनेस में कुछ बाधाओं के बावजूद आपको मनचाही सफलता मिलेगी। कार्यस्थल पर दूसरों से उलझने की बजाय लोगों के साथ मिलकर काम करना बेहतर रहेगा।

वृष

वृषभ राशि के जातकों के लिए अक्टूबर महीने की शुरुआत शुभ और सौभाग्य दायक रहने वाली है। महीने की शुरुआत में आपको लंबी या छोटी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। इस दौरान आपके जीवन में लंबे समय से चली आ रही बाधाएं दूर होंगी। आप अपने करियर और व्यवसाय में अपना सर्वश्रेष्ठ देते नजर आएंगे। आपको अपने लक्ष्य को हासिल करने में सीनियर और जूनियर दोनों का पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को मनचाहा लाभ मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत बनेंगे।

मिथुन

अक्टूबर माह की शुरुआत में मिथुन राशि के जातकों के जीवन से जुड़ी कोई बाधा दूर होने से राहत मिलेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति के माध्यम से पैतृक संपत्ति प्राप्त करने में आ रही बाधा दूर होगी। आपको भूमि, भवन, वाहन आदि का सुख मिलेगा। परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम और सद्भाव रहेगा। महीने के दूसरे सप्ताह में कोई भी बड़ा निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। ऐसा करने से पहले अपने शुभचिंतकों या किसी वरिष्ठ की सलाह जरूर लें। महीने के दूसरे सप्ताह में आप अपने परिवार के साथ पिकनिक पार्टी या किसी पर्यटन स्थल पर घूमने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क

कर्क राशि वालों के लिए महीने का पहला पखवाड़ा बहुत बढ़िया रहने वाला है। करियर, व्यवसाय आदि में मनचाही सफलता मिलेगी। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सभी बाधाओं को दूर करने में सफल होंगे। इस अवधि के दौरान की गई यात्राएं करियर और व्यवसाय में अत्यधिक सफल साबित होंगी। महीने के मध्य में आपको अचानक किसी बड़े खर्च का सामना करना पड़ सकता है। भूमि-भवन संबंधी विवादों में आपको कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं।

सिंह

अक्टूबर का महीना सिंह राशि के जातकों के लिए बेहद शुभ और मनचाहा परिणाम देने वाला साबित होगा। अक्टूबर माह की शुरुआत से आपको अपने प्रयासों और मेहनत का पूरा फल मिलेगा। इस दौरान आप कई बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगे। करियर और बिजनेस के सिलसिले में की गई यात्राएं बेहद शुभ और फायदेमंद साबित होंगी। इस अवधि में किसी खास व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में लाभ का बड़ा स्रोत बनेगी। सत्ता और सरकार से संबंधित लंबित कार्य पूरे होंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को कोई बड़ा पद या जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या

अक्टूबर का यह महीना कन्या राशि वालों के लिए मिला-जुला रहने वाला है। माह की शुरुआत में आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा। मौसमी बीमारियों के कारण आपको शारीरिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान अपनी दिनचर्या और खान-पान सही रखें। व्यापार से जुड़े लोगों को मनचाहा लाभ मिलेगा। इस दौरान आपको अपने रिश्तेदारों से भरपूर सहयोग मिलेगा। जमीन या भवन खरीदने की इच्छा पूरी हो सकती है। माह के तीसरे सप्ताह में सीनियर और जूनियर मिलकर काम करेंगे तो काम पूरे हो सकेंगे।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए अक्टूबर का महीना सितंबर से भी ज्यादा शुभ और सफलता देने वाला रहने वाला है। महीने की शुरुआत में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। कार्यस्थल पर वरिष्ठ आपके काम की प्रशंसा करेंगे। माह के तीसरे सप्ताह में आपके कार्यों में धीमी गति से प्रगति एवं लाभ होगा। हालांकि व्यापार से जुड़े लोगों को इस दौरान किसी भी जोखिम भरी योजना में निवेश करने से बचना होगा। पार्टनरशिप में व्यापार करने वालों को पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए अक्टूबर महीने की शुरुआत बेहद शुभ रहने वाली है। इस दौरान आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे होंगे। बिजनेस करने वाले लोगों का बाजार में फंसा हुआ पैसा अचानक अप्रत्याशित रूप से निकल आएगा। किसी योजना में पूर्व निवेश से भारी मुनाफा होगा। आपके संचित धन में वृद्धि होगी। माह के मध्य में आपके घर में धार्मिक या मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। अविवाहित लोगों की शादी तय हो सकती है।

धनु

धनु राशि वालों के लिए अक्टूबर का महीना कुछ उतार-चढ़ाव वाला रहने वाला है। माह की शुरुआत आपके लिए शुभता और सफलता लेकर आने वाली है। इस दौरान आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों का सहयोग मिलेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से किसी बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने का अवसर मिलेगा। इस दौरान आपको अपने खान-पान और स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देने की जरूरत होगी। महीने के मध्य में आप अपने सीनियर और जूनियर की मदद से अपना लक्ष्य समय से पहले हासिल करने में सक्षम हो सकते हैं।

मकर

मकर राशि वालों के लिए अक्टूबर का महीना उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। महीने की शुरुआत थोड़ी कठिन हो सकती है, लेकिन अंत में आपको भाग्य का साथ मिलेगा। परिवार के किसी प्रिय सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर भी मन थोड़ा चिंतित रहेगा। घर से जुड़े अचानक बड़े खर्चे आने से आपका बजट भी थोड़ा गड़बड़ा सकता है। महीने के मध्य में आपको अपने करियर और बिजनेस से जुड़े कुछ बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। महीने के तीसरे सप्ताह में परिवार के किसी सदस्य से किसी बात पर विवाद हो सकता है।

कुंभ

कुंभ राशि के जातकों के लिए अक्टूबर का महीना उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। माह की शुरुआत में आपको अपने करियर या व्यवसाय में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। नौकरीपेशा जातकों को माह के दूसरे सप्ताह में अतिरिक्त कार्यभार का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान पार्टनरशिप में व्यापार करने वालों के लिए यह समय शुभ नहीं कहा जा सकता। ऐसे में पैसों का लेन-देन या निवेश करते समय बहुत सावधान रहें और सट्टा, लॉटरी आदि से दूर रहें। महीने के मध्य में संतान से जुड़ी कोई समस्या आपकी चिंता का बड़ा कारण बन सकती है।

मीन

अक्टूबर का महीना मीन राशि वालों के लिए बहुत शुभ रहने वाला है। इस महीने आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे होंगे और रिश्तेदारों का भरपूर सहयोग मिलेगा। थोक व्यापारियों की अपेक्षा खुदरा व्यापारियों के लिए यह समय अधिक शुभ रहेगा। विदेश से संबंधित व्यापार करने वालों को इच्छित लाभ मिलेगा। अक्टूबर के मध्य में किसी विशेष व्यक्ति की मदद से संपत्ति संबंधी विवाद सुलझ जायेंगे। भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त की इच्छा पूरी हो सकती है।

भारत-ब्रिटेन की दोस्ती तेजी से आगे बढ़ रही : प्रधानमंत्री मोदी

मुंबई। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर दो दिवसीय भारत दौरे पर आए थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद उनका पहला भारत दौरा है। इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष कीर स्टार्मर ने सोशल मीडिया पर अलग-अलग पोस्ट किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि भारत-ब्रिटेन की दोस्ती तेजी से आगे बढ़ रही है और बेहद जोश से भरी हुई है। गुरुवार सुबह की एक तस्वीर, जब मेरे मित्र प्रधानमंत्री स्टार्मर और मैंने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में भाग लेने के लिए अपनी यात्रा शुरू की थी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ₹भारत के साथ हमारी साझेदारी ब्रिटिश लोगों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। 10,000 नए रोजगार सृजित हुए हैं और ब्रिटेन में 1.3 बिलियन पाउंड का निवेश हुआ है। ब्रिटिश रोजगार और ब्रिटिश व्यवसाय को समर्थन।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत-यूके के बीच व्यापार समझौता दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच साझा विकास और समृद्धि का रोडमैप है। यह मार्केट एक्सेस के साथ दोनों देशों के एमएसएमई को मजबूती देगा और लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलेगा।

देश की आर्थिक राजधानी में भारत-यूके सीईओ फोरम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ₹आज हमारा द्विपक्षीय व्यापार लगभग 56 अरब डॉलर का है। हमने 2050 तक इसे दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। मुझे विश्वास है कि हम इस लक्ष्य को निर्धारित समय से पहले ही हासिल कर लेंगे। भारत राजनीतिक स्थिरता और व्यापक मांग प्रदान करता है। इन्फ्रास्ट्रक्चर और वित्त से लेकर फार्मास्यूटिकल्स तक, यहां हर क्षेत्र में बड़े अवसर मौजूद हैं। उन्होंने महत्वपूर्ण सेक्टर्स में भारत की बढ़ती क्षमता का जिक्र करते हुए कहा, ₹हमारी अर्थव्यवस्था सुधारों की राह पर है और स्थिरता एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने भविष्य के व्यापार और विकास के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक सेक्टर्स के रूप में रेयर अर्थ मिनरल के महत्व पर भी जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ₹हम इन क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ेंगे, क्योंकि ये हमारे औद्योगिक विकास और ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री मोदी और अपने ब्रिटिश समकक्ष कीर स्टार्मर ने संयुक्त रूप से सीईओ फोरम में भाग लिया, जिसमें दोनों देशों के प्रमुख व्यापारिक और वित्तीय नेता एक साथ आए थे।

Follow us on

SONA DEVI UNIVERSITY
Jharkhand

Admission 2025

BBA | MBA

BCA | MCA

DIPLOMA | B.TECH.

D. PHARM | B. PHARM

Shaping Minds,
Building Futures.

E-Kalyan Scholarship

SCHOLARSHIP PROGRAMME
BY GOVT. OF JHARKHAND

APPLY NOW FOR
SC / ST / OBC STUDENTS

*Conditions Apply

Scholarship Upto 30%*

1800 309 2626 www.sonadeviuniversity.ac.in **62075 82536**

Campus :
Kitadih, PO & PS Ghatsila, North Moubhandar, Jamshedpur,
East Singhbhum, Jharkhand 832303

City Office :
Gajraj Mansion, Bistupur, Jamshedpur,
East Singhbhum, Jharkhand 831001

SCAN TO APPLY